ढाटरथ गांव में उत्प्रवासन का सामाजिक-प्रभाव,

जींद (हरियाणा) का एक केस अध्ययन

भूगोल में B.A.III ऑनर्स कि डिग्री कि आंशिक पूर्ति के लिए भूगोल विभाग को प्रस्तुत एक क्षेत्र आधारित परियोजना रिपोर्ट

LEAD KINDLY LIGHT

GOVT. COLLEGE JIND

सा विद्या या विमुक्तये

सह प्रस्तुत कर्ता

प्रस्तुत

श्री विक्रम सिंह

:

सह - प्राध्यापक

:

द्वारा

नाम – गौरव

रोल नंबर – 12206810-63040

भूगोल विभाग

राजकीय महाविद्यालय जींद (हरियाणा)

सत्र - 2024-2025

अंतर्वस्तु

उम्मीदवार कि घोषणा
प्रमाणपत्र
अभिस्वीकृति
क्षेत्र सर्वेक्षण
भूगोल में क्षेत्र सर्वेक्षण कि भूमिका
क्षेत्र सर्वेक्षण कि योजना
क्षेत्र सर्वेक्षण प्रक्रिया के चरण अध्ययन का लक्ष्य और उद्देश्य
परिकल्पना
आकड़ों का आधार
क्रियाविधि
अध्ययन क्षेत्र :- जलवायु, वर्षा,तापमान,आर्द्रता,पवन
,मिट्टी,हाइड्रोजियोलॉजी,
भूमि जल प्रवाह
परिवार / सामाजिक संरचना :-जनसंख्या, परिवार प्रकार ,साक्षरता,
प्रवास संरचना
उत्प्रवासन

उत्प्रवास के कारण

उत्प्रवास कि दिशा

उत्प्रवास का गांव पर सामाजिक प्रभाव

निष्कर्ष और सुझाव

उम्मीदवार कि घोषणा

मैं एतद्द्वारा घोषणा करता हूं कि **"ढाटरथ गांव में उत्प्रवासन का सामाजिक-प्रभाव, जींद (हरियाणा) का एक केस स्टडी"** नामक रिपोर्ट में प्रस्तुत कार्य भूगोल विभाग, राजकीय महाविद्यालय जींद को प्रस्तुत किया गया है। बी.ए. आनर्स कि उपाधि प्रदान करने कि आवश्यकता कि पूर्ति हेतु श्री विक्रम सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग राजकीय महाविद्यालय जींद कि देखरेख में मेरे द्वारा किए गए कार्यों का एक प्रामाणिक रिकॉर्ड है। राजकीय महाविद्यालय जींद इस रिपोर्ट में सन्निहित मामले को कहीं और किसी अन्य डिग्री के पुरस्कार के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।

नाम : गौरव

रोल नंबर : 1220681063040

प्रमाणपत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि वर्तमान रिपोर्ट **"ढाटरथ गांव में उत्प्रवासन का सामाजिक-प्रभाव, जींद (हरियाणा) का एक केस स्टडी"** क्षेत्र सर्वेक्षण पर आधारित है जो बी.ए. (भूगोल ऑनर्स) के छठे सेमेस्टर के छात्रों द्वारा मेरी देख- रेख में आयोजित किया गया था। यह कार्य का एक प्रामाणिक रिकॉर्ड है और इसे मूल्यांकन के लिए परीक्षक के समक्ष रखा जा सकता है।

श्री विक्रम सिंह

सह - प्राध्यापक

भूगोल विभाग

राजकीय महाविद्यालय जींद

अभिस्वीकृति

मैं गांव ढाटरथ, जिला जींद में क्षेत्र सर्वेक्षण करने कि अनुमति देने के लिए **प्राचार्य श्री सत्यवान मलिक** के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। मैं इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए मेरे मार्गदर्शक **श्री विक्रम सिंह** द्वारा दिए गए समय पर और लगातार सहयोग के लिए आभारी हूं। क्षेत्र सर्वेक्षण कि तैयारी में विभिन्न स्रोतों और संगठनों से मदद और सामग्री ली गई है, मैं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के **प्राचार्य श्री वजीर दलाल** का धन्यवादी हूं, राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी **श्री शशिकांत** का सर्वेक्षण में जो सहयोग प्राप्त हुआ वह अमूल्य रहा। राष्ट्रीय सेवा योजना कैम्प में मौजूद विद्यार्थियों वंशिका ,अंजलि, सरोज, तमन्ना, स्नेहा, प्रिया, हैप्पी, सनी ,राकेश, अंशु और नेहा ने हमारे साथ मिलकर अनुसूची को भरवाया। राजकीय महाविद्यालय के पुराने छात्र श्री बलजिंदर जो वर्तमान में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाटरथ में कार्यरत हैं उनके सहयोग के भी हम आभारी हैं। मैं ढाटरथ गांव के लोगों का भी आभारी हूं जिन्होंने अपने परिवार कि संरचना, शिक्षा, व्यवसाय और उत्प्रवास आदि के बारे में उपयोगी जानकारी साझा कि। वर्तमान संदर्भ में उत्प्रवास एक गंभीर समस्या बना हुआ है इन सवालों के जवाब प्राप्त करना बहुत मुश्किल काम था लेकिन ग्रामीणों ने उनके साथ बातचीत करने के लिए जो पर्याप्त समय दिया उसके हम बहुत-बहुत धन्यवादी हैं। मैं अपने सभी साथी छात्रों, दोस्तों और उन सभी को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जो पूरे सर्वेक्षण के दौरान मेरे साथ रहे और बहुमूल्य जानकारी लेकर आए जिनके आधार पर यह रिपोर्ट सफलतापूर्वक पूरी कि गई है।

मुझे उम्मीद है कि यह रिपोर्ट ढाटरथ गांव के उत्प्रवास से उपजे सामाजिक प्रभाव को समझने में मदद करेगी।

नाम : गौरव

रोल नंबर : 1220681063040

क्षेत्र सर्वेक्षण

परिचय : भूगोल पृथ्वी कि सतह का अध्ययन है। इस अध्ययन में भूगोलवेत्ता द्वारा विभिन्न उपकरणों का उपयोग किया जाता है। आरम्भिक भूगोलवेत्ताओं ने अभियानों के माध्यम से इसे संभव बनाया। इसके बाद, रोमन साम्राज्य के दौरान एकत्र किए जाने वाले राजस्व कि गणना के लिए नक्शे तैयार करने के लिए एग्रीमेन्सर्स ने क्षेत्र का दौरा किया। दुनिया का पता लगाने के लिए भूगोलवेत्ताओं द्वारा इस परंपरा को 1400 ईस्वी से 1900 ईस्वी तक आगे बढ़ाया गया। हवाई फोटोग्राफी और रिमोट सेंसिंग के युग में भी, कार्य तब तक पूरा नहीं हो सकता था जब तक कि हम ज़मीनी सच्चाई के माध्यम से आकड़ों को सत्यापित नहीं करते। उपरोक्त चर्चा से पता चलता है कि प्राचीन काल से लेकर समकालीन समय तक भौगोलिक अध्ययन में क्षेत्रीय सर्वेक्षण ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चाहे हम पृथ्वी पर देखी गई भौतिक या सांस्कृतिक घटनाओं का अध्ययन करें, एक भूगोलवेत्ता को क्षेत्र सर्वेक्षण कि मदद लेनी चाहिए।

क्षेत्रीय सर्वेक्षण का महत्व (सामाजिक-आर्थिक) :

किसी क्षेत्र का भूगोल मूलतः दो तत्वों से बना होता है: भौतिक और सांस्कृतिक। इन दोनों में से, सांस्कृतिक तत्व, लौकिक और स्थानिक दोनों स्तरों पर अत्याधिक गतिशील हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विशेषताएँ अत्यधिक परिवर्तनशील हैं। सामाजिक विशेषताएँ जैसे जीवन शैली, जीवन स्तर, भोजन कि आदत आदि; आर्थिक विशेषताएँ जैसे व्यवसाय, कमाई का स्तर आदि बहुत बार बदलती हैं और क्षेत्र सर्वेक्षण ही एकमात्र उपकरण है जो सटीक और अद्यतन जानकारी प्रदान कर सकता है। दूसरी ओर, किसी क्षेत्र कि भौतिक विशेषताओं का अध्ययन करने और समझने के लिए, क्षेत्र सर्वेक्षण दिमाग पर एक लंबी छाप बनाने में मदद करता है। अंग्रेजी में एक कहावत है कि " **I READ, I FORGET, I SEE, I REMEMBER, I DO, I UNDERSTAND**

- प्रसिद्ध भूगोलवेत्ता जेम्स फेयर ग्रिव के अनुसार "भूगोल का ज्ञान जूतों के तली को घिसाकर ही प्राप्त किया जा सकता है अर्थात भूगोल का ज्ञान हमें पुस्तकालय से नहीं बल्कि स्वयं क्षेत्र में जाकर प्राप्त होता है"।

- रैटजल महोदय ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर कहा है "मैंने यात्रा कि, मैंने रेखा चित्र बनाए, मैंने वर्णन किया"।

- प्रोफेसर ई फ्रिमेल के अनुसार "भूगोल यात्रा करने तथा स्वयं अपनी

आंखों से   देखने का विषय है"।

योजना : क्षेत्रीय सर्वेक्षण के माध्यम से सामाजिक आकड़े या तो जनगणना सर्वेक्षण या नमूना सर्वेक्षण द्वारा एकत्र किया जा सकता है। यदि हमारे पास लक्ष्यों का एक छोटा समूह है जिसे दिए गए समय के भीतर इकट्ठा किया जा सकता है, तो हमें जनगणना सर्वेक्षण के लिए जाना चाहिए, क्योंकि यह हमें विस्तृत और सटीक जानकारी प्रदान करता है। यदि लक्ष्य समूह बड़ा है और समय सीमित है, तो हमें नमूना सर्वेक्षण करना चाहिए। यहां नमूना का चयन उचित नमूना तकनीक जैसे याद्दच्छिक, स्तरीकृत याद्दच्छिक, कोटा इत्यादि चुनकर किया जाना चाहिए। पूरे क्षेत्र सर्वेक्षण को निम्नलिखित चरणों में संक्षेपित किया जा सकता है:

क) प्राथमिक चरण :- इसमें सर्वेक्षणकर्ता को सर्वेक्षण कि योजना बनानी होती है। आंकड़ों को एकत्रित करने के लिए क्षेत्र के आधार पर जनगणना सर्वेक्षण या नमूना सर्वेक्षण का चयन करना। सभी प्रश्नों को शामिल करते हुए अनुसूची तैयार करना।

ख) क्रियान्वयन चरण:- इसमें क्षेत्र में जाकर योजना के आधार पर लक्ष्य समूह

से व्यक्तिगत रूप से बातचीत करके अनुसूची में जानकारी भरना।

ग) परिगणन चरण:- इसमें सर्वेक्षण का काम पूरा होने पर एकत्रित आंकड़ों का संपादन, वर्गीकरण और प्रासंगिक तालिकाएं तैयार करना।

घ) मानचित्र चरण:- इसमें विभिन्न आंकड़ों को मानचित्र तथा रेखा चित्रों कि सहायता से दर्शाया जाना।

ड) रिपोर्ट चरण:- सर्वेक्षण का सारा काम पूरा हो जाने के बाद तालिकाओं का विश्लेषण और व्याख्या करना और परिणामों का उल्लेख करना तथा निष्कर्ष निकालना।

अध्ययन का लक्ष्य एवं उद्देश्य :

1. उत्प्रवास से उत्पन्न परिस्थितियों से परिवार के आकार ,लिंग संयोजन ,साक्षरता दर तथा आर्थिक क्रियाओं/ स्थिति के विषय में जानकारी प्राप्त करना।
2. सर्वेक्षण के आधार पर गांव में विभिन्न धर्मो एवं जातियों का उत्प्रवास का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. गांव में उत्प्रवास के कारणों, उत्प्रवास कि दिशा का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. गांव में उत्प्रवास से उत्पन्न` सामाजिक प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पना :

- गांव में मुख्यतः एकल परिवार का पाया जाना चाहिए।
- हिंदू धर्म कि अपेक्षाकृत सिख धर्म में ज्यादा उत्प्रवास पाया जाना चाहिए।
- उत्प्रवास का मुख्य कारण आर्थिक संपनता का ना होना पाया जाना चाहिए।
- उत्प्रवास कि कोई निश्चित दिशा नहीं होनी चाहिए संसार के हर कोने कि ओर उत्प्रवास कि दिशा पायी जानी चाहिए।
- गांव में मुख्यतः उत्प्रवास का कारण डोंकी पाया जाना चाहिए।
- गांव में मुख्यतः युवा वर्ग में उत्प्रवास ज्यादा पाया जाना चाहिए। जिसके परिणामस्वरूप गांव में बुजुर्गों कि संख्या जवानों के अपेक्षाकृत ज्यादा पाई जाने चाहिए।
- गांव में मुख्यतः उत्प्रवास पुरुषों में महिलाओं की अपेक्षा ज्यादा पाया जाना चाहिए।

आकड़ों का आधार :

गांव के वर्तमान सर्वेक्षण को प्राथमिक आंकड़ों के विभिन्न चरों को एकत्रित करने के लिए क्षेत्र अध्ययन एवं संरचित अनुसूची के माध्यम से एकत्रित किया गया। जो अनुसूची बनाई गई थी उसमें ढाटरथ गांव कि जनान्कीय, पारिवारिक ,सामाजिक, आर्थिक स्थिति एवं उत्प्रवास से संबंधित जानकारियों को एकत्रित किया गया। गैर -संभावना/ गैर यादृच्छिक नमूनाकरण (व्यापक नमूने लेना) विधि द्वारा प्रारंभिक घरों को राजकीय वरिष्ठ विद्यालय ढाटरथ के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंयसेवकों द्वारा पहचान कि गई और उस घर के मुखिया से मिले, किसी घर के मुखिया ने हमें जानकारी दी और किसी घर के मुखिया ने जानकारी देने से मना कर दिया। उत्तरदाताओं कि बढ़ती श्रृंखला इसी प्रकार बनती गई, जिसके आधार पर हमने 161 उत्प्रवास के आंकड़े एकत्रित किए गए।जबकि अस्पष्ट सूत्रों से उत्प्रवास कि संख्या 1000 के आसपास बताई जा रही है।

घर के मुखिया से विभिन्न प्रकार के आंकड़े एकत्रित किए गए जैसे कि-

क) पारिवारिक संरचना ख) लिंग संयोजन ग) साक्षरता दर

घ) आर्थिक क्रियाए ङ) आर्थिक आय च) उत्प्रवास

प्राथमिक स्रोत से प्राप्त इन आंकड़ों को हमने सूचीबद्ध

किया तथा विभिन्न सांख्यिकीय आरेख विधि के द्वारा प्रदर्शित किया । इस प्रदर्शन में दण्ड आरेख तथा चक्र आरेख का प्रयोग किया गया।

क्रियाविधि :

आकड़े संग्रह कि प्रक्रिया में, गांव के अनुमानतः 1644 घरों में से केवल 140 घरों के आंकड़े प्राप्त किए गए यह इस कारण हुआ कि जिन घरों में उत्प्रवास हुआ है या जिन घरों ने उत्प्रवास पर अपनी जानकारी सांझा कि है घरों के आंकड़ों को एकत्र करने के लिए 26 मार्च 2025 को अध्ययन क्षेत्र में एक जनगणना सर्वेक्षण आयोजित किया गया था। इस उद्देश्य के लिए, प्रत्यक्ष साक्षात्कार पद्धति (गैर-संभावना/गैर याद्दच्छिक नमूनाकरण,व्यापक नमूने लेना) को अपनाया गया जहां छात्रों ने अनुसूची में उल्लिखित सभी विवरणों को भरने के लिए प्रत्येक घर के मुखिया और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बातचीत कि। आंकड़ों के विश्लेषण में लिंगानुपात, साक्षरता दर, आयु संरचना, उत्प्रवास आदि का विश्लेषण करने के लिए प्रतिशत जैसी सरल सांख्यिकिय पद्धति का उपयोग किया जाता है।

अध्ययन क्षेत्र :

हरियाणा के जींद जिले में स्थित ढाटरथ गांव का एक समृद्ध इतिहास है। गांव का नाम धृतराष्ट्र के नाम पर रखा गया है । ऐतिहासिक रूप से, ढाटरथ एक महत्वपूर्ण शहर था ,जिसका उल्लेख

प्रसिद्ध पुस्तक तबकात- ए -निसारी में एक जगह के रूप में किया गया था ,जहां कुतुबुद्दीन ऐबक ने करो को एकत्रित किया था। गांव पुरानी मौसमी नदी चौतांग के पास स्थित है, जो पवित्र सरस्वती नदी कि एक सहायक नदी थी। वर्तमान में इसी नदी के स्थान पर अब गाँव के दक्षिण में गुजरने वाली जींद हांसी नहर मुख्य जल सहायक नहर है जो मुनक के पास पश्चिमी यमुना नहर से निकली हुई शाखा हैं।

अध्ययन क्षेत्र ढाटरथ गांव जिला मुख्यालय भौगोलिक रूप से जींद से 16 किलोमीटर पूर्व में स्थित है और राज्य कि राजधानी चंडीगढ़ से लगभग 180 किलोमीटर दूर है । गांव के केंद्र कि भूगोलीय स्थिति 29.3760° ' उत्तर अक्षांश और , 76.4507 °पूर्व देशांतर है । गांव समुद्र तल से 230 मीटर ऊंचाई पर स्थित है। आसपास के शहरों में जींद , अंसध,सफीदों और गोहाना शामिल है ।

जनसांख्यिकिक के संदर्भ में, ढाटरथ कि 2011 कि जनगणना के अनुसार 8795 कि आबादी थी, जिसमें 4685 पुरूष एंव 4110 महिलाएं पाई जाती थी। लिंग अनुपात 877 और साक्षरता दर लगभग 61% पाई जाती थी । यह गांव स्टेट हाईवे 14 से जुड़ा हुआ है जो कि जींद और पानीपत के बीच चलता है, और इसमें नजदीकि रेलवे स्टेशन पिल्लूखेड़ा और सिवाहा है। अध्ययन क्षेत्र का अपना ग्राम पंचायत घर है। गाँव के सामाजिक स्तर में सिख और हिंदू धर्म को मानने वाले व्यक्ति आपस में बड़े ही सौहार्द्रपूर्ण तरीके से रह रहे हैं। सरकारी दस्तावेजों के अनुसार गाँव का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 2087

हेक्टेयर है।जब प्रशासन कि बात आती है, तो ढाटरथ गांव का प्रशासन एक सरपंच द्‌वारा किया जाता है, जो स्थानीय चुनावों द्‌वारा गांव का प्रतिनिधि चुना जाता है। वर्तमान में श्रीमती नीलम देवी सरपंच हैं । 2019 के आंकड़ों के अनुसार, ढाटरथ गांव जींद विधानसभा क्षेत्र और सोनीपत संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है। सभी प्रमुख आर्थिक गतिविधियों के लिए जींद ढाटरथ गांव का निकटतम शहर है।

ज़लवायु :

अध्ययन क्षेत्र कि जलवायु को उष्णकटिबंधीय स्टेपी, अर्ध शुष्क और गर्म के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है जो मुख्य रूप से शुष्क होती है जिसमें गर्मीयों में बहुत गर्मी और ठंडी में अत्यधिक सर्दी होती है, मानसून के मौसम को छोड़कर जब समुद्री मूल कि नमी मैदानी क्षेत्र में प्रवेश करती है। एक वर्ष में 4 ऋतुएँ होती हैं। भीषण गर्मी मार्च के मध्य से शुरू होकर जून के अंतिम सप्ताह तक चलती है, इसके बाद दक्षिण पश्चिम मानसून आता है जो सितंबर तक रहता है। सर्दी का मौसम नवंबर में शुरू होता है और मार्च के पहले सप्ताह तक रहता है।

वर्षा : अध्ययन क्षेत्र कि सामान्य वर्षा 515 मिमी है। जो 26 दिनों तक क्षेत्र में असमान रूप से वितरित रहता है। दक्षिण पश्चिम मानसून जून के अंतिम सप्ताह से शुरू होता है और सितंबर के अंत में वापस आ जाता है। वार्षिक वर्षा में इसका योगदान लगभग 84% है। जुलाई और अगस्त सबसे अधिक बारिश वाले होते हैं। शेष 16% वर्षा

गैर-मानसूनी अवधि के दौरान पश्चिमी वितरण और गरज के साथ होती है।

तापमान : अध्ययन के अनुसार जून के महीने में दैनिक अधिकतम तापमान 41°C दर्ज किया गया है तीव्र गर्मी में दिन का तापमान कभी-कभार 47 या 48 °C से अधिक हो सकता है और जनवरी के महीने में औसत न्यूनतम तापमान 6°C दर्ज किया गया है और औसत दैनिक न्यूनतम 27 °C के आसपास है ।

आर्द्रता : ढाटरथ गांव कि औसत आर्द्रता 45 से 55% तक रहती है। यह अप्रैल - मई के महीने में न्यूनतम स्तर 20% पर पहुंच जाती है तथा जुलाई महीने में 60 से 70% तक पहुंच जाती है।

वन : सामान्यता क्षेत्र में हल्की पवनें चलती हैं। परंतु ग्रीष्म ऋतु के दूसरे चरण में तथा मानसून ऋतु के प्रारंभ में पवनों कि गति तीव्र होती है। गर्मियों में तेज चलती पवनों को " लू " कहते हैं । शीत ऋतु में क्षेत्र कभी-कभी शीत लहर से प्रभावित होता है। ढाटरथ गांव में पवनों कि दिशा उत्तर से उत्तर - पूर्व कि दिशा में चलती हैं, जो 11 किलोमीटर प्रति घंटा कि रफ्तार से चलती है ।

प्राकृतिक भूगोल : प्राकृतिक भूगोल के परिणामस्वरू पजाब-हरियाणा मैदान का गठन करता है जो काफी हद तक सपाट सुविधाहीन और नीरस जलोढ़ ऊपरी मैदान है और प्लेइस्टोसिन और इंडो-जेनेटिक प्रणाली के हालिया जलोढ़ निक्षेपों के दौरान बना है।

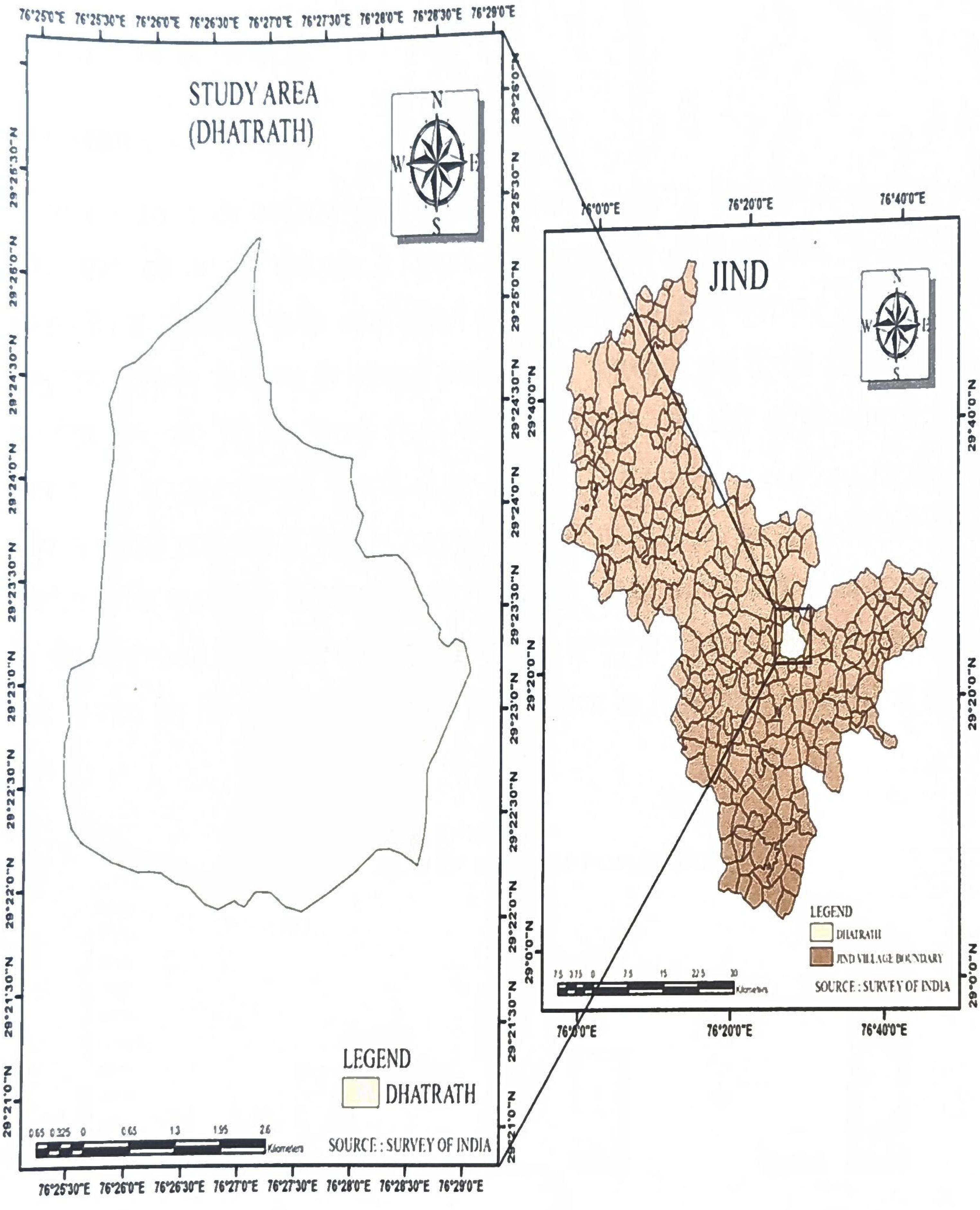
STUDY AREA
(DHATRATH)
LEGEND
DHATRATH
SOURCE : SURVEY OF INDIA
JIND
LEGEND
DHATRATH
JIND VILLAGE BOUNDARY
SOURCE : SURVEY OF INDIA

पारिवारिक संरचना :

जनसंख्या : —

जनगणना 2011 के अनुसार ढाटरथ गांव हरियाणा के जींद जिले के पिल्लूखेडा ब्लॉक में स्थित एक बड़े आकार का गांव है जिसमें कुल 1644 परिवार हैं एवं गांव कि कुल जनसंख्या 8795 है। हमने उत्प्रवास के आंकड़ों को एकत्रित करने के लिए एक घर से दुसरे घर में गए, अनुमानत: 1000 उत्प्रवास के आंकड़े बताए गए थे ,जिनमें से हम केवल 162 आंकड़ों को ही एकत्रित कर पाए ,जो कि केवल 1644 घरो में से केवल 140 घरों के ही आंकड़े मिल पाए। चित्र 1. के अनुसार ढाटरथ गाँव में 4685 (53.26%) पुरूष एंव 4110 (46.74%) महिलाएं और उत्प्रवास वाले घरों में 392 (52.75%) पुरुष है एवं 351 (47.24%) महिलाएं हैं। जो यह दर्शाता है कि पुरुषों कि उत्प्रवास के कारण उनकि संख्या कुल पुरुषों के अनुपात में घट गई है और महिलाओं कि संख्या बढ़ गई है। वर्तमान समय में हरियाणा का लिंगानुपात 879 एवं ढाटरथ गांव का लिंगानुपात 877 है। जो कि हरियाणा के लिंगानुपात के संदर्भ में केवल 2 ही कम है।

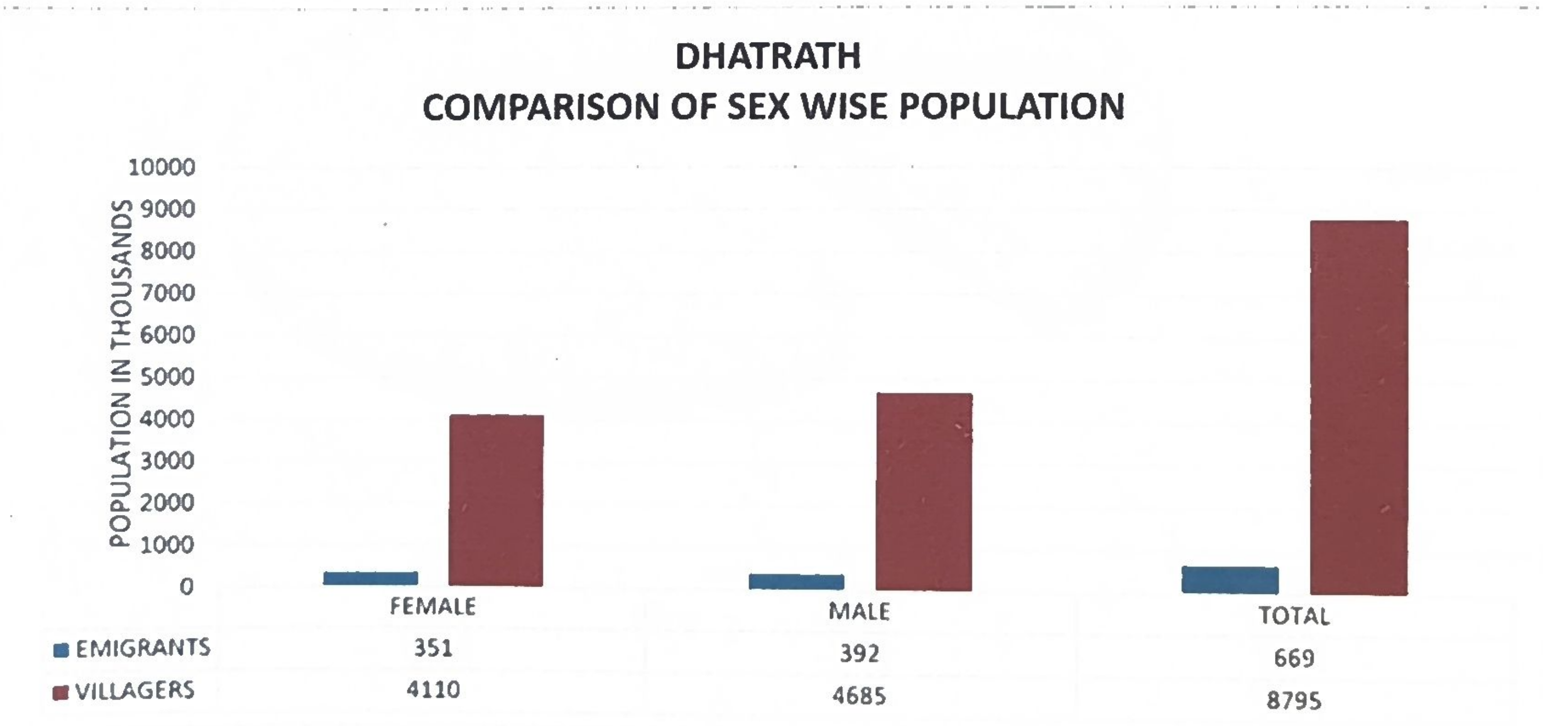

	FEMALE	MALE	TOTAL
EMIGRANTS	351	392	669
VILLAGERS	4110	4685	8795

चित्र 1.

परिवार कि सरंचना:—

गांव में पारिवारिक संरचना कि दृष्टि से तीन प्रकार कि व्यवस्था है : एकल ,संयुक्त एवं विस्तृत, हरियाणा में गांव में मुख्यता संयुक्त परिवार पाए जाते हैं लेकिन समय के परिवर्तन के साथ-साथ अब एकल परिवारों कि संख्या भी बढ़ रही है, संयुक्त परिवार सामाजिक सुरक्षा संगठन में श्रम विभाजन कि दृष्टि से उचित होते हैं वहीं एकल परिवार प्रणाली विकासोन्मुख माने जाते हैं। ढाटरथ गाँव के उत्प्रवासी सर्वेक्षण (चित्र 2) से ज्ञात होता है कि 140 परिवारों में से एकल 84 (60%) तथा संयुक्त 56 (40%) दो ही प्रकार के परिवार पाए जाते हैं।

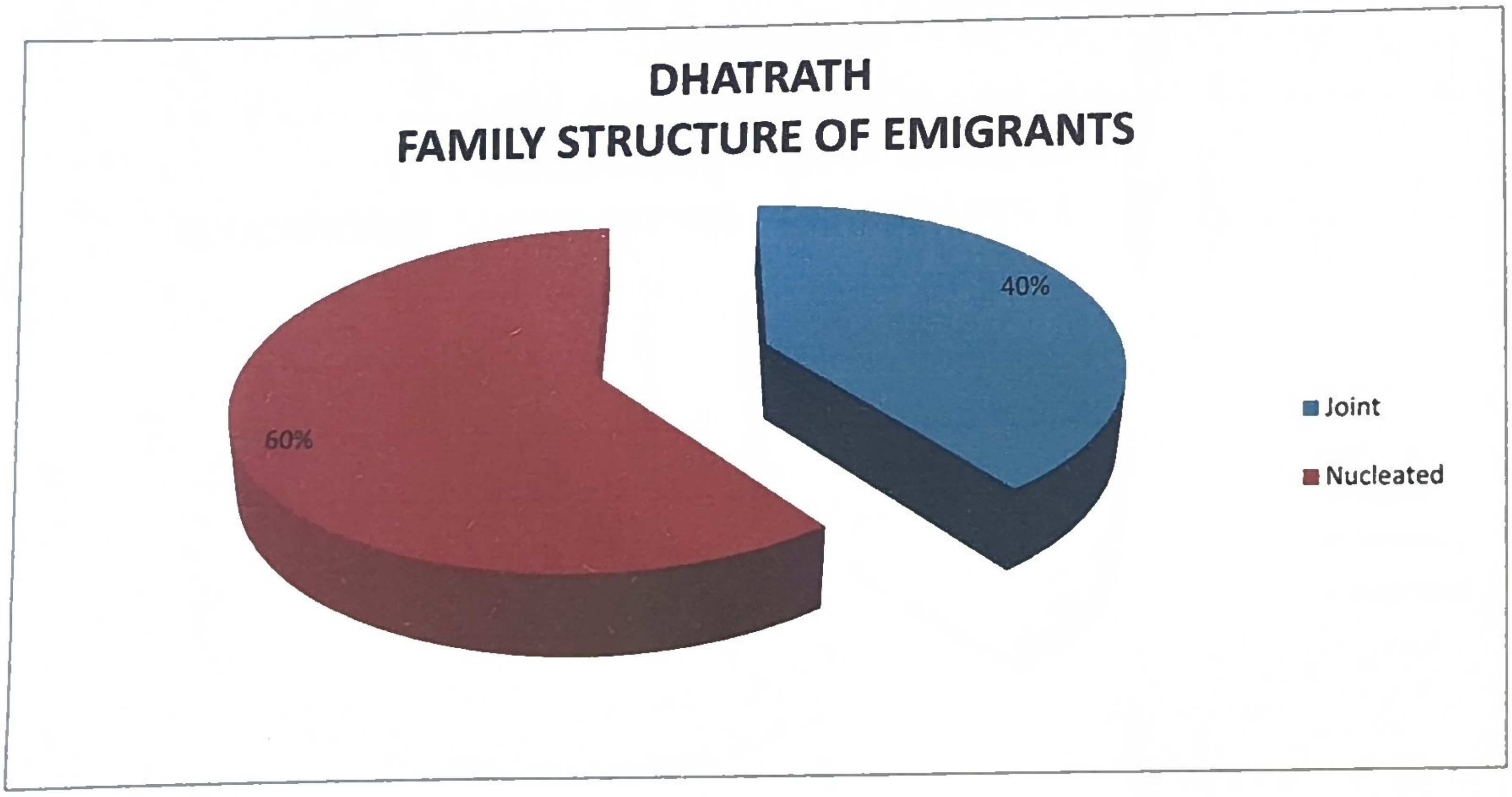

चित्र 2

साक्षरता :-

साक्षरता समाज कि सामाजिक आर्थिक स्थिति पर निर्भर करता है अतः यह है अनियंत्रित चरों का महत्वपूर्ण संकेतक है। इसके साथ-साथ साक्षरता जागरूकता को बढ़ाने ,आय में वृद्धि करने तथा सामाजिक विकास में सहायता करती है। हमारा सर्वेक्षण यह दर्शाता है कि 140 घरों से 161 व्यक्तियों ने जो उत्प्रवास किया है उन घरों में जैसे ही 12th पास किया वे 18 साल के हो गये तुरंत उत्प्रवास कर गये। चित्र .3 यह दर्शाता है कि माध्यमिक पास होते ही 96 (59.6%) उत्प्रवास कर गए जिन विद्यार्थियों को उत्प्रवास में कुछ अड़चने आई वे उच्च शिक्षा 63 (39.1%) प्राप्त करते ही उत्प्रवास कर गये। केवल 2 विद्यार्थी (1.2%) ही व्यवसायिक गतिविधियां प्राप्त करके उत्प्रवास किया।

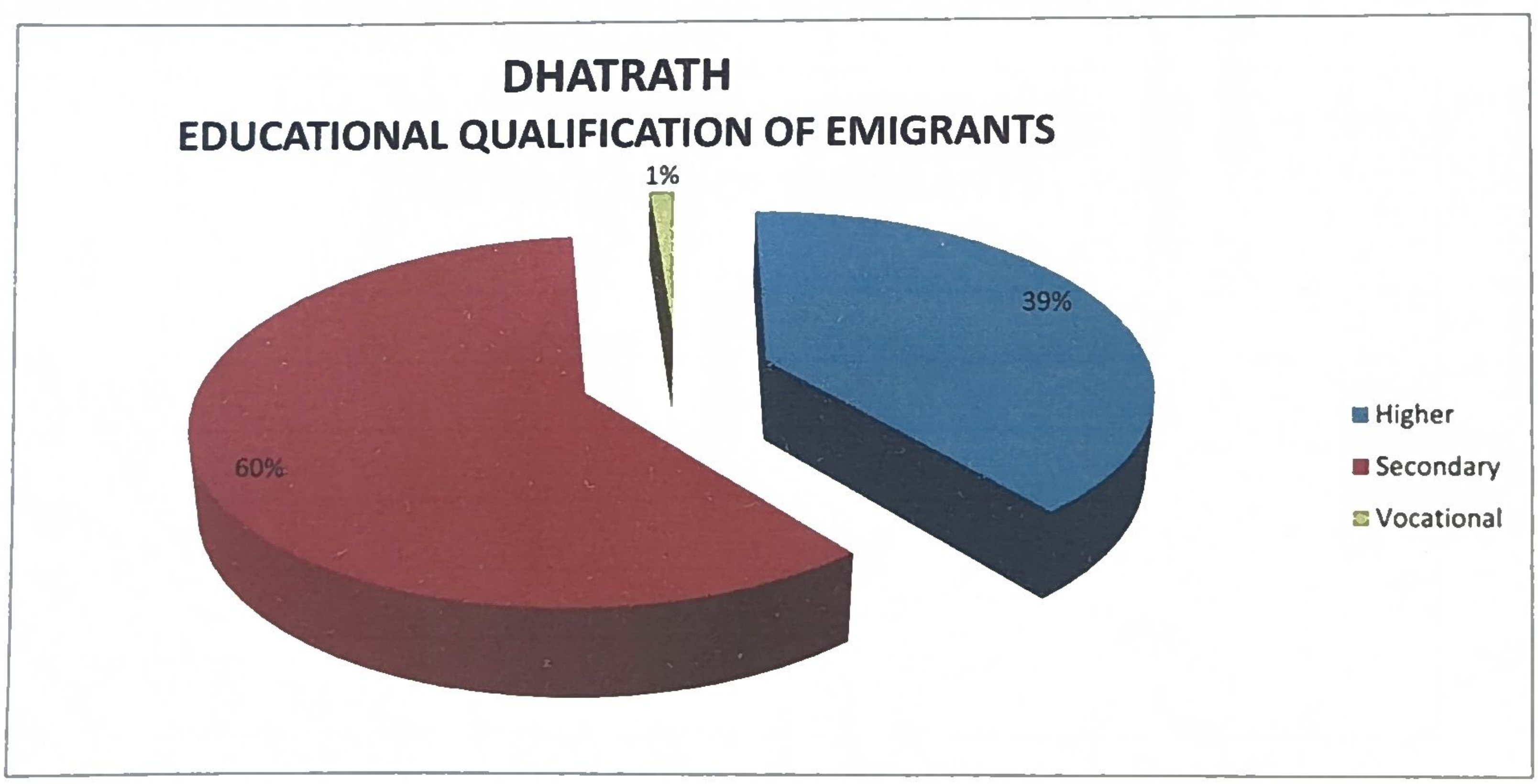

चित्र 3

राशन कार्ड:—

ढाटरथ गांव में चित्र. 4 व 5 के अनुसार उत्प्रवासी परिवारों (140) के घरों में से 28 घरों ने राशन कार्ड नहीं बनवाए हैं और 112 घरों ने राशन कार्ड बनवाए हुए हैं। जिसमें गुलाबी राशन कार्डों कि संख्या केवल 7 है ,हरे राशन कार्डों कि संख्या 14 है और पीले राशन कार्डों कि संख्या सबसे ज्यादा 92 (केवल 1 परिवार सिख है बाकि सभी परिवार हिंदू) है। चित्र. 6 के अनुसार उत्प्रवासी परिवारों (140) के अनुसार 63 (45%) परिवारों ने बीपीएल राशन कार्ड बनवाए हुए हैं और 77 (55%) परिवारों ने बीपीएल कार्ड नहीं बनवाए हैं। जिसमें SC समुदाय के 4 , BC समुदाय के 10 और जनरल कैटिगरी के सबसे ज्यादा 49 (ब्राह्मण और रोड़) परिवार पाए गए, जो यह दर्शाता है कि जनरल परिवारों कि भी आर्थिक आय अच्छी नहीं है जिसके परिणाम स्वरूप गांव में हर वर्ग और समुदाय में उत्प्रवास हो रहा है।

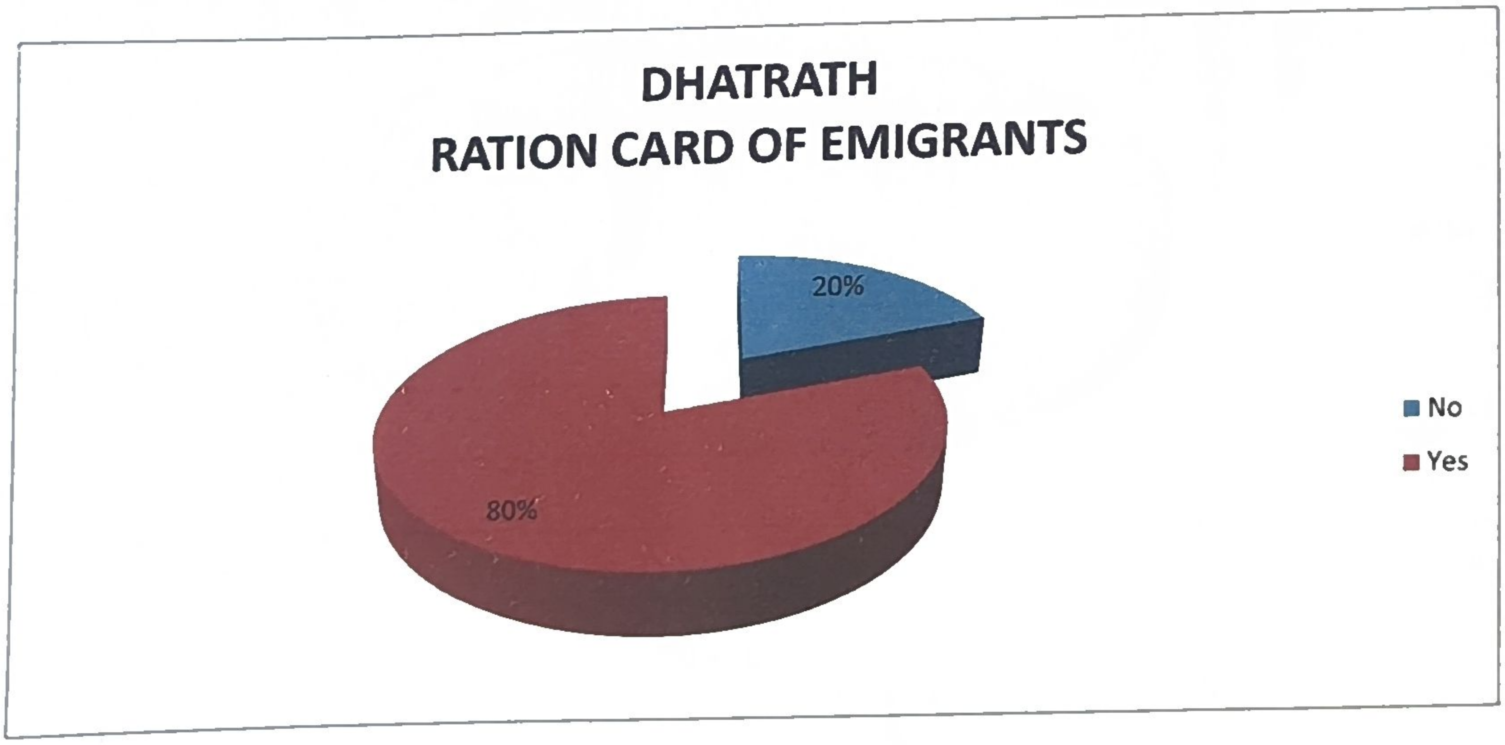

चित्र. 4

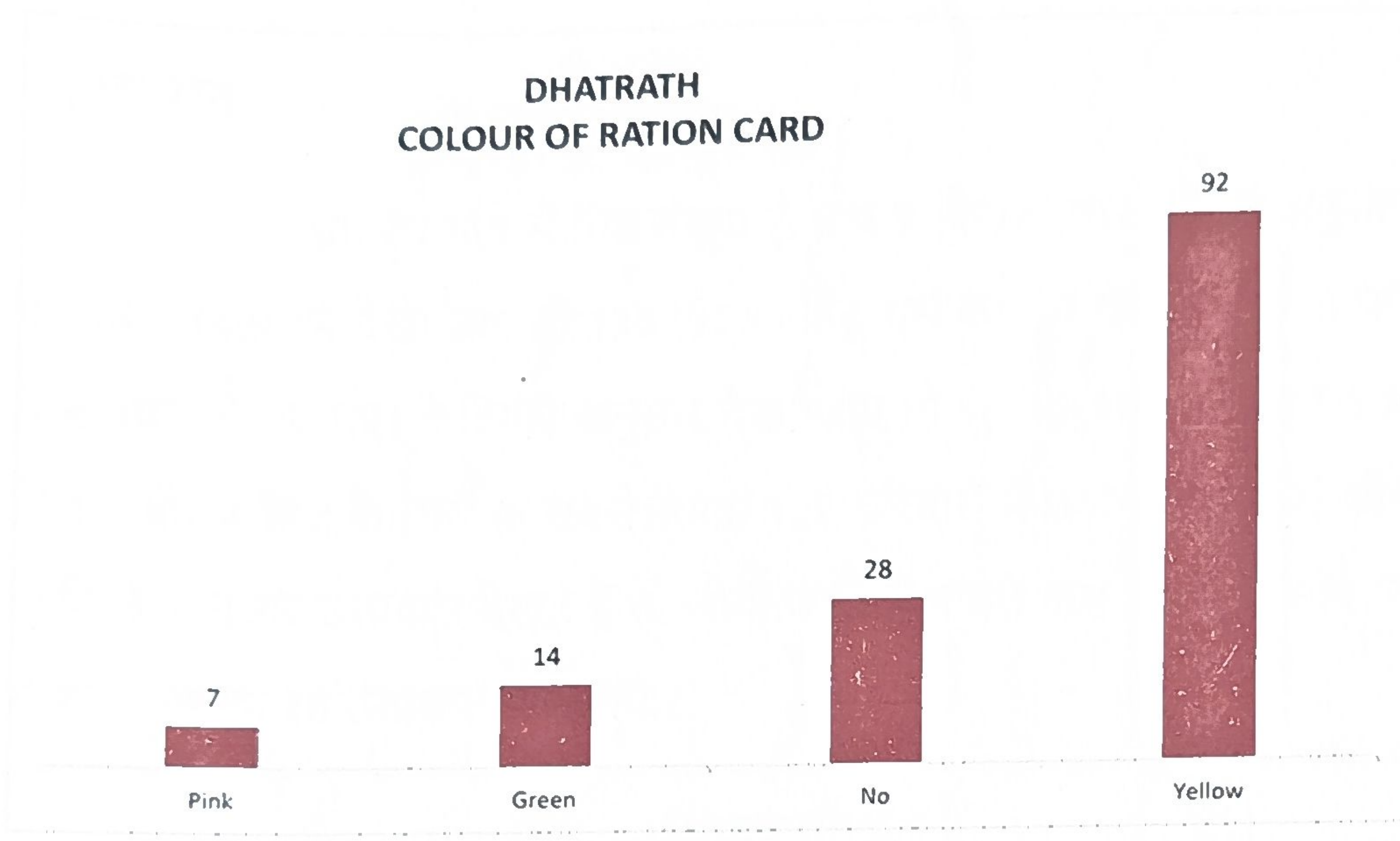
DHATRATH
COLOUR OF RATION CARD
92
28
14
7
Pink
Green
No
Yellow

चित्र. 5

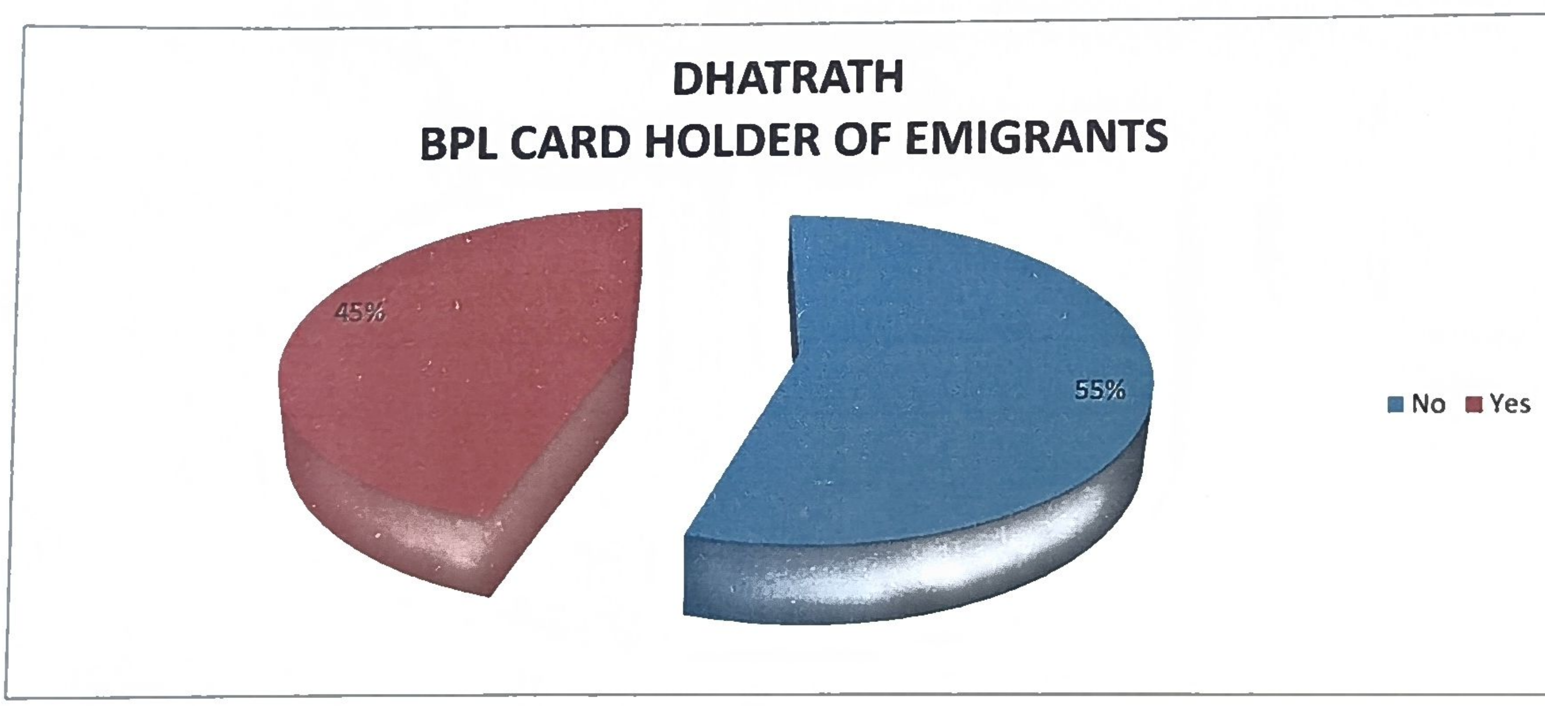
DHATRATH
BPL CARD HOLDER OF EMIGRANTS
45%
55%
No
Yes

चित्र. 6

उत्प्रवासन :-

ढाटरथ गांव में चित्र.संख्या 7, 8 व 9 के अनुसार धर्म के अनुसार उत्प्रवासी परिवारों (140) को देखा जाए तो 136 (97%) हिंदू धर्म के और केवल 4 (3%) परिवारों में से सिख धर्म के पाए गए। कैटिगरी अनुसार देखा जाए तो SC समुदाय के केवल 5,BC समुदाय के 15 और जनरल कैटेगरी के सबसे ज्यादा 120 परिवारों में उत्प्रवास हुआ है और अगर हम जाति के अनुसार उत्प्रवास देखते हैं तो जोगी जाति में सबसे कम केवल 1 और ब्राह्मण जाति में सबसे ज्यादा 78 उत्प्रवास पाया गया।

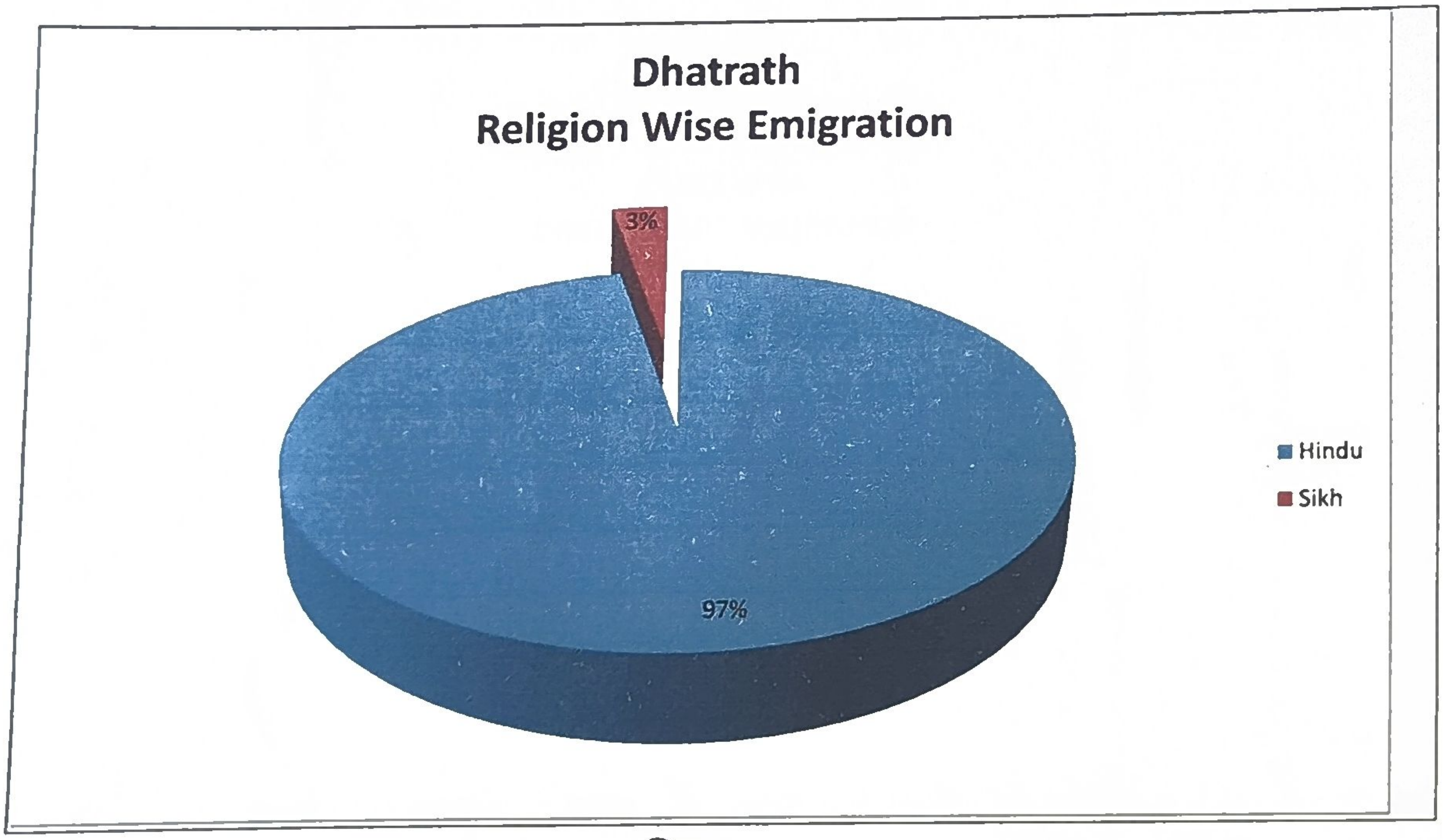

चित्र. 7

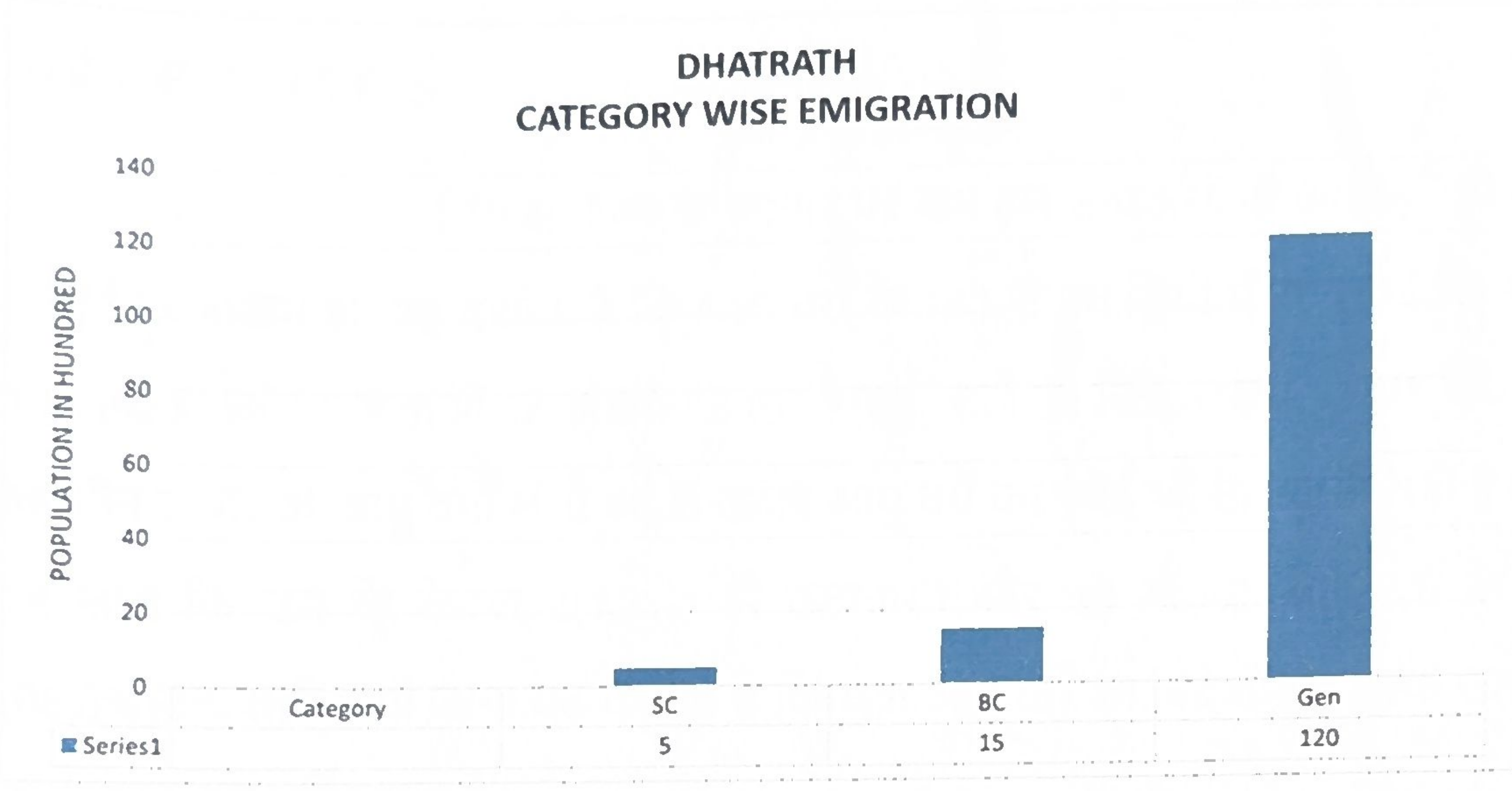
DHATRATH
CATEGORY WISE EMIGRATION
140
120
100
80
60
40
20
0
POPULATION IN HUNDRED
Category
SC
BC
Gen
Series1
5
15
120

चित्र. 8

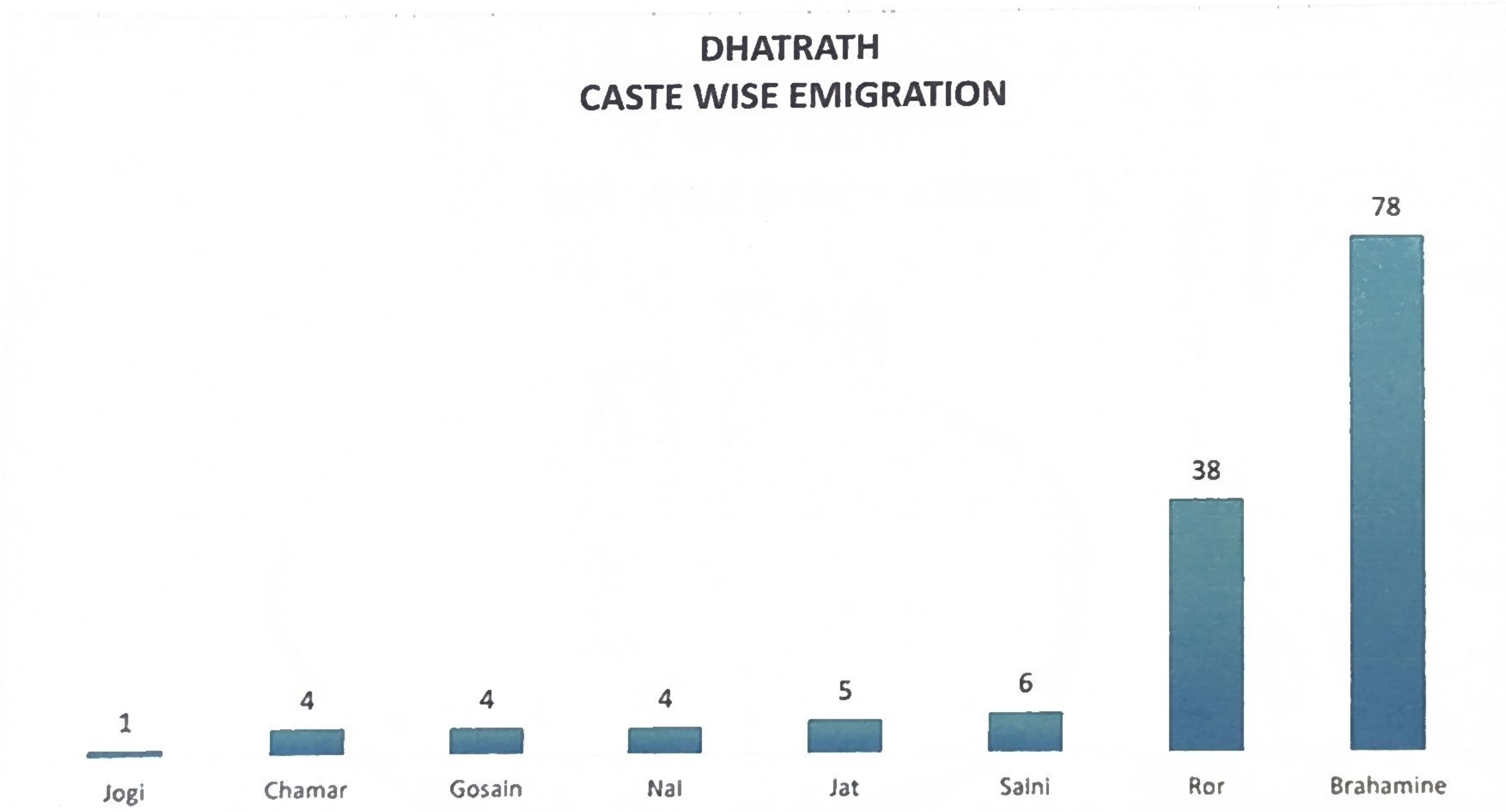
DHATRATH
CASTE WISE EMIGRATION
1
4
4
4
5
6
38
78
Jogi
Chamar
Gosain
Nal
Jat
Saini
Ror
Brahamine

चित्र. 9

उत्प्रवास के प्रकार :-

लिंग संयोजन के आधार पर जब हम उत्प्रवासों के आंकड़ों को देखते हैं तो चित्र. संख्या 10 यह दर्शाता है कि 140 घरों के 161 उत्प्रवासियों में से पुरुषों कि संख्या 148 (92%) और महिलाओं कि संख्या 13 (8%) पाई जाती है। चित्र. संख्या 11 यह दर्शाता है कि तीन प्रकार के आयु वर्गों में से 40 से ऊपर आयु वर्ग का कोई भी उत्प्रवासी नहीं है। 0 से 18 साल कि उम्र के केवल 2(1.2%) ही उत्प्रवासी और 19 से 40 आयु वर्ग के 159 (98.8%)उत्प्रवासी पाया जाना यह दर्शाता है कि युवा आयु वर्ग का विदेशों कि तरफ उत्प्रवास का रुझान बहुत ही ज्यादा है।

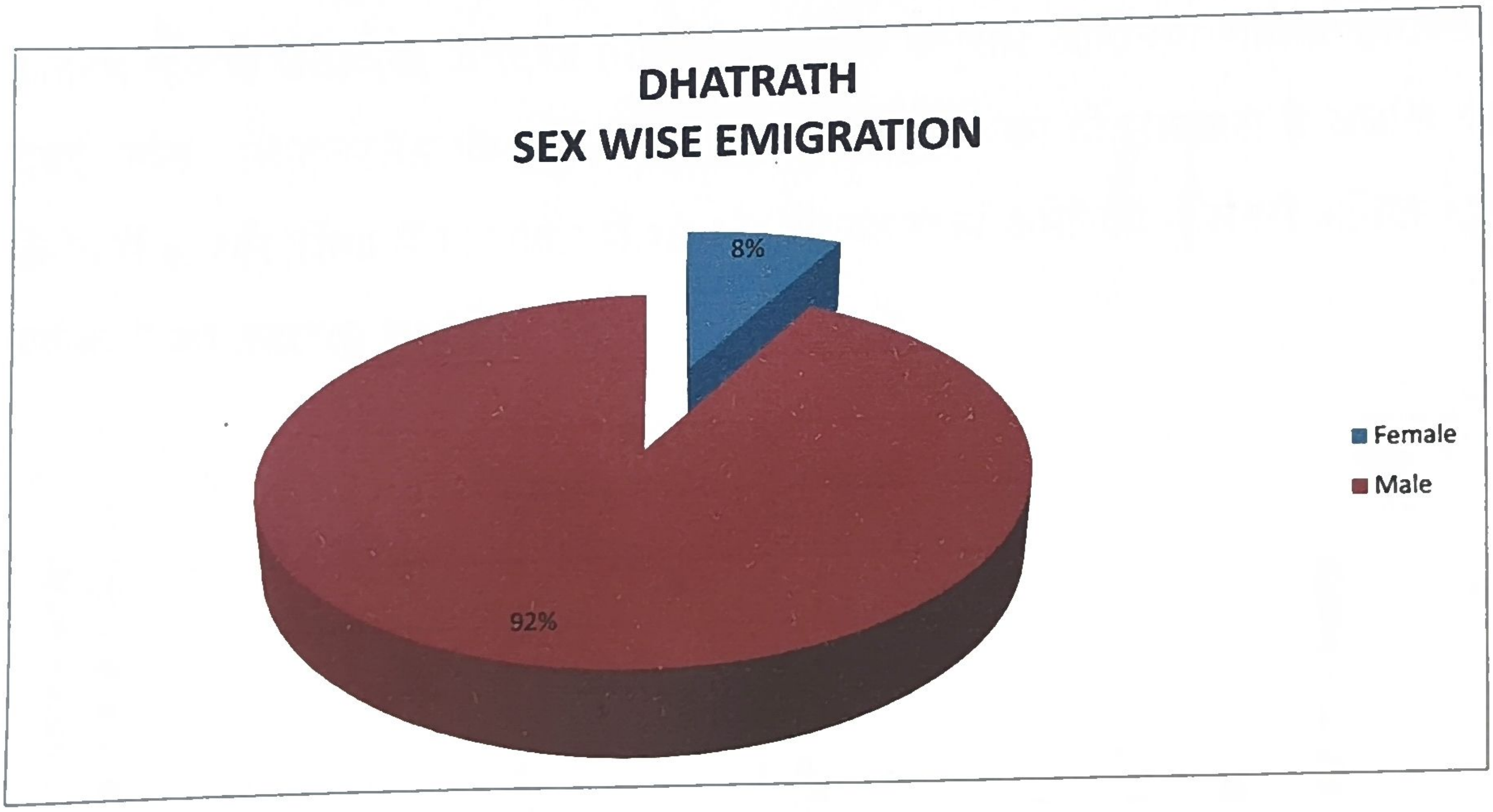

चित्र. 10

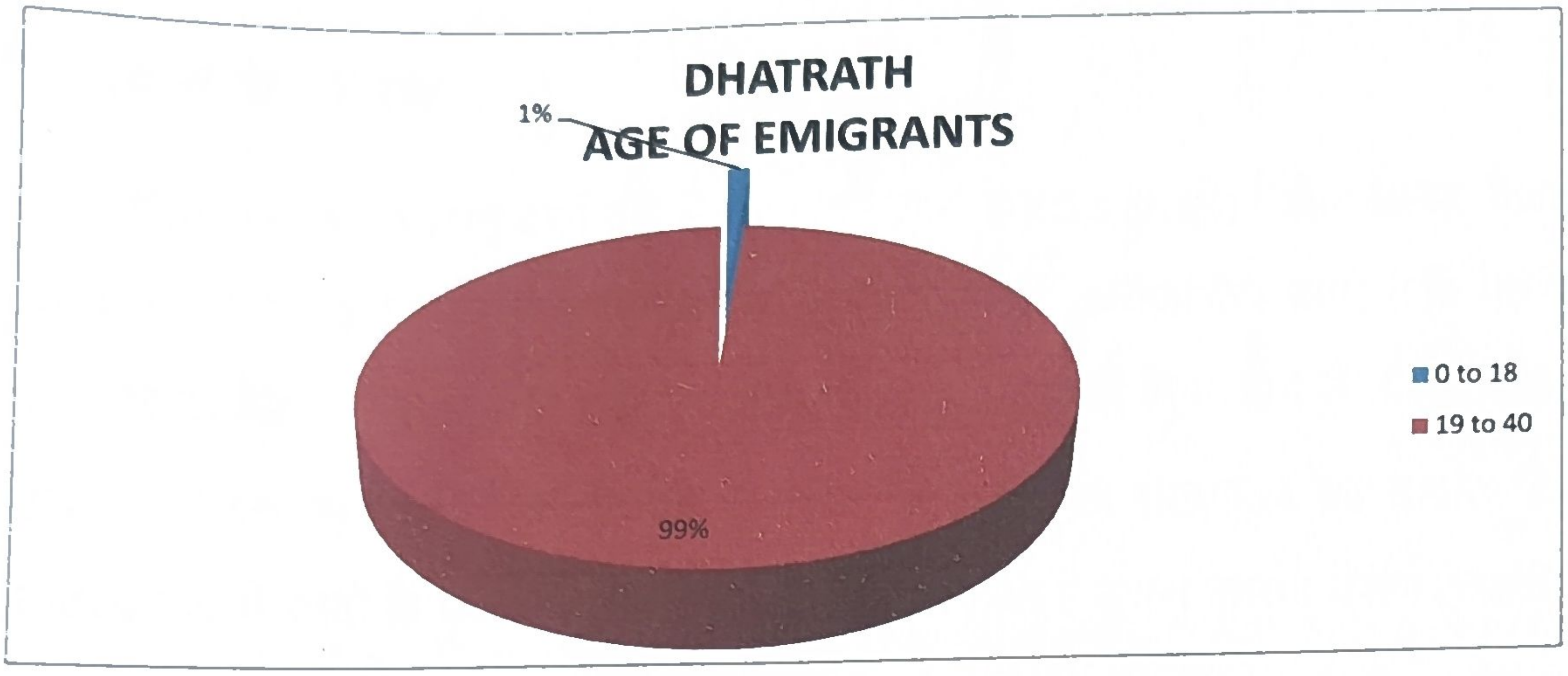

चित्र. 11

उत्प्रवास कि दिशा :-

ढाटरथ गाँव के उत्प्रवास कि दिशा चित्र संख्या 12 के अनुसार आर्मेनिया, गायना, हांगकांग, दुबई, स्पेन , स्विट्जरलैंड कि ओर केवल एक-एक व्यक्ति का ही उत्प्रवास है जबकि ग्रेट ब्रिटेन में 4, ऑस्ट्रेलिया में 7 कनाडा में 16 और संयुक्त राज्य अमेरिका में सबसे अधिक 125 व्यक्तियों का उत्प्रवास हुआ है।

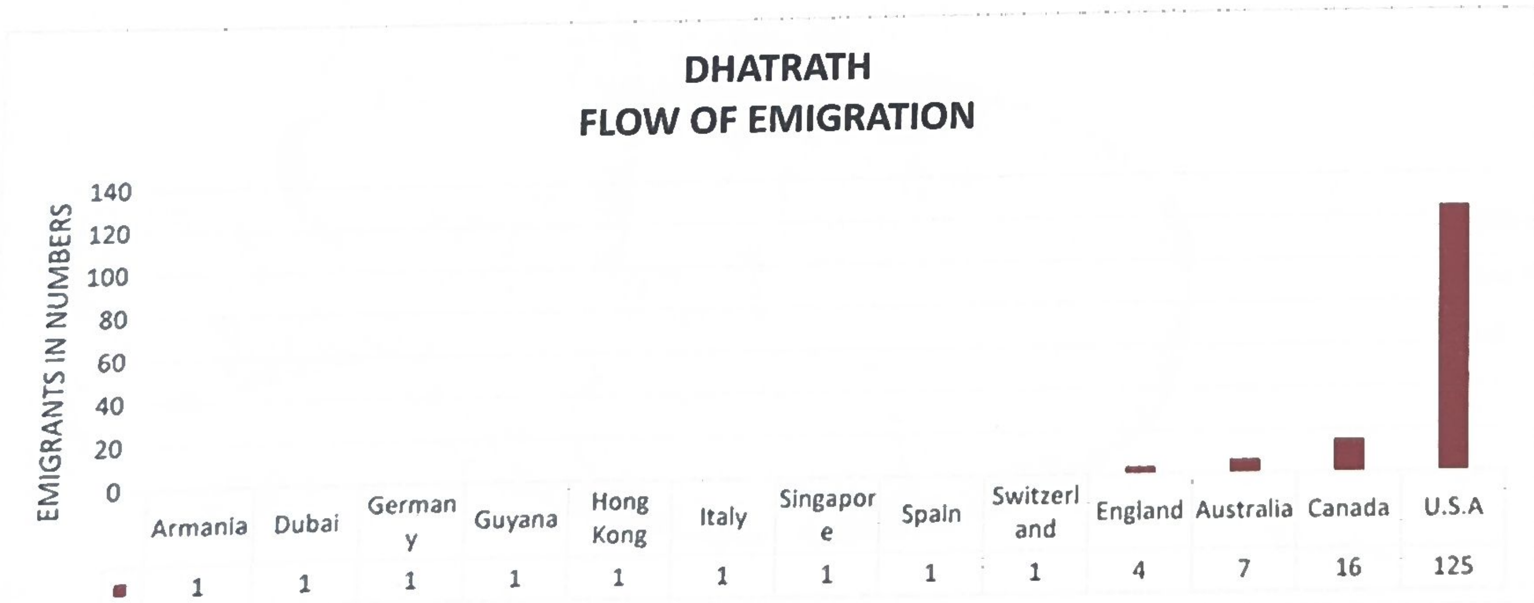

चित्र. 12

उत्प्रवास के कारण :-

चित्र. संख्या 13,14 व 15 यह दर्शाता है कि ढाटरथ गांव में केवल 3 (1.9%) व्यक्ति भ्रमण वीजा पर विदेश गए थे और भ्रमण करके वापस आ गए। 48(29.8%) व्यक्ति वीजा के माध्यम से विभिन्न देशों कि ओर उत्प्रवास किया, जबकि सर्वाधिक संख्या 110 (68%) डोंकी के माध्यम से उत्प्रवास कि है, इसमें से केवल एक व्यक्ति अपनी मर्जी से वापस आया है।चित्र संख्या 14 यह दर्शाता है कि ढाटरथ गांव में शादी के कारण केवल 1(0.6%)उत्प्रवास हुआ है दूसरा कारण भ्रमण इत्यादि कि वजह से 4(2.4%), तीसरा कारण शिक्षा कि वजह से 18 (11.1%) और चौथा कारण आय के वजह से 138(85.7%)व्यक्तियों का उत्प्रवास हुआ है। जो यह दर्शाता है कि गांव में आजीविका के साधनों कि कमी कि वजह से उत्प्रवास हुआ (भारत में हरियाणा राज्य में सबसे ज्यादा बेरोजगारी दर भी यही दर्शाता है),फिर देखा देखी उत्प्रवास का चलन गांव के युवा वर्ग में घर- घर तक पहुंच गया। जिसकि वजह से गांव के युवा वर्ग का पलायन बहुत ज्यादा हो गया है।

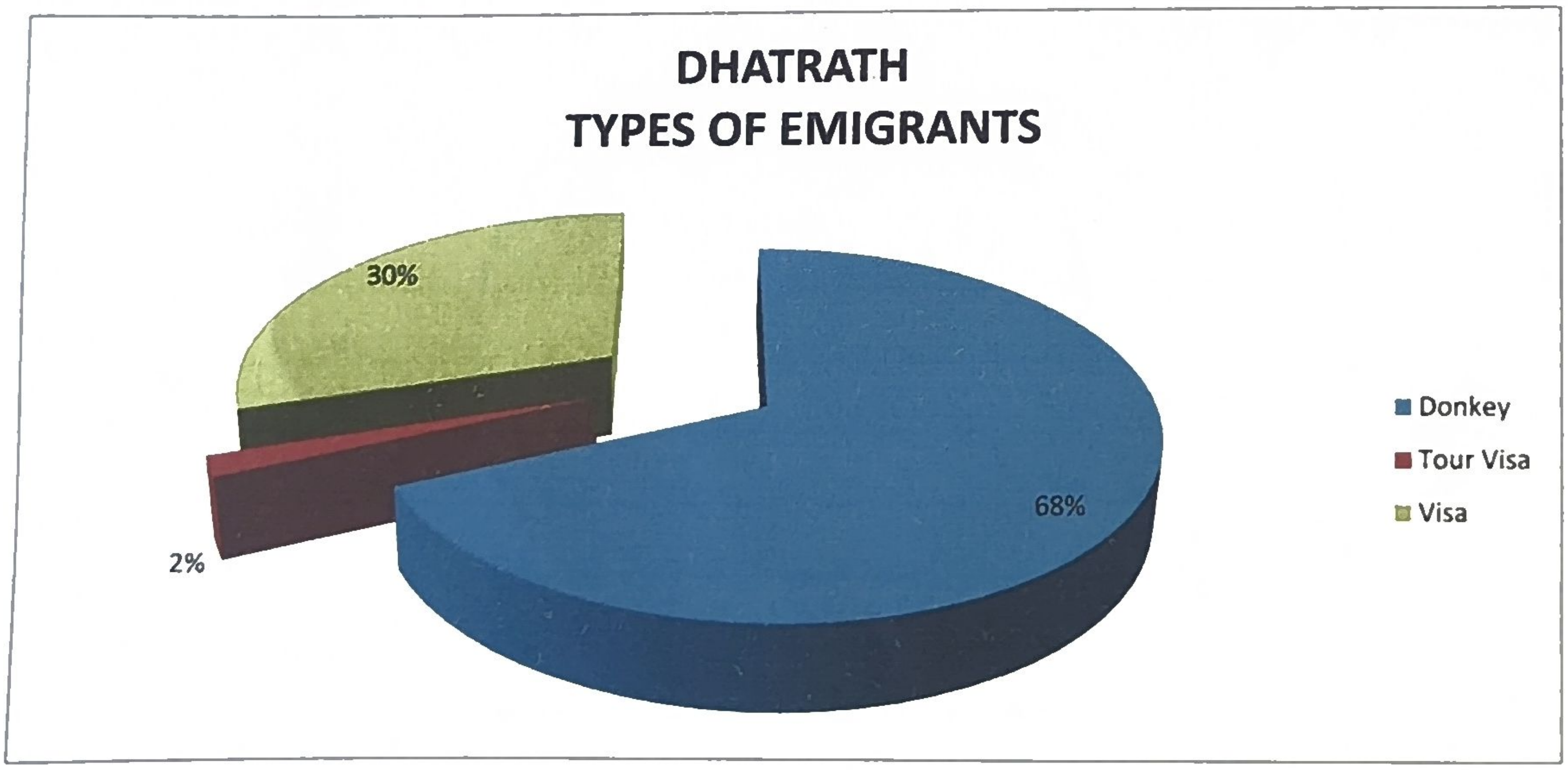

चित्र. 13

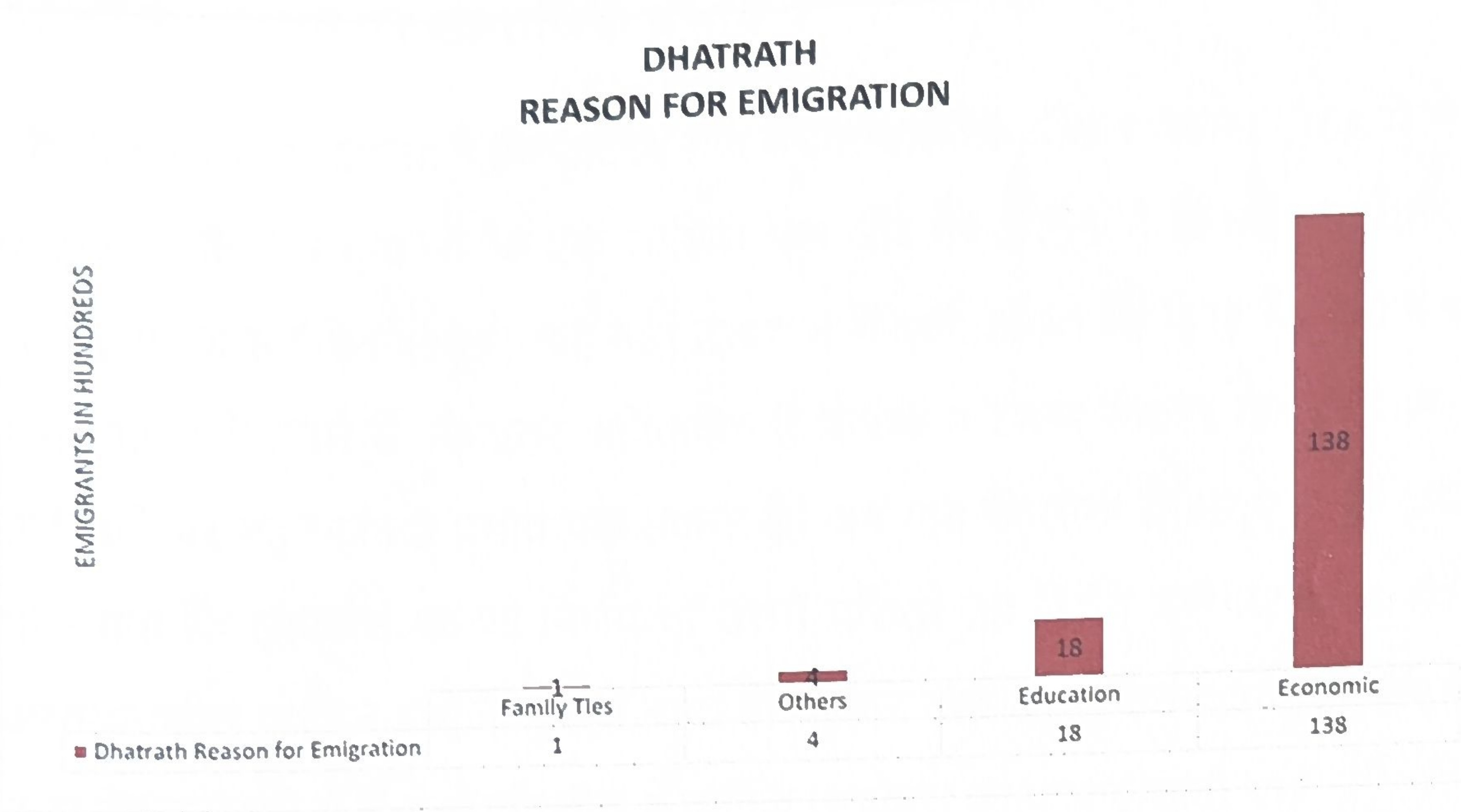
DHATRATH
REASON FOR EMIGRATION
EMIGRANTS IN HUNDREDS
138
18
4
1
Family Ties
Others
Education
Economic
Dhatrath Reason for Emigration
1
4
18
138

चित्र. 14

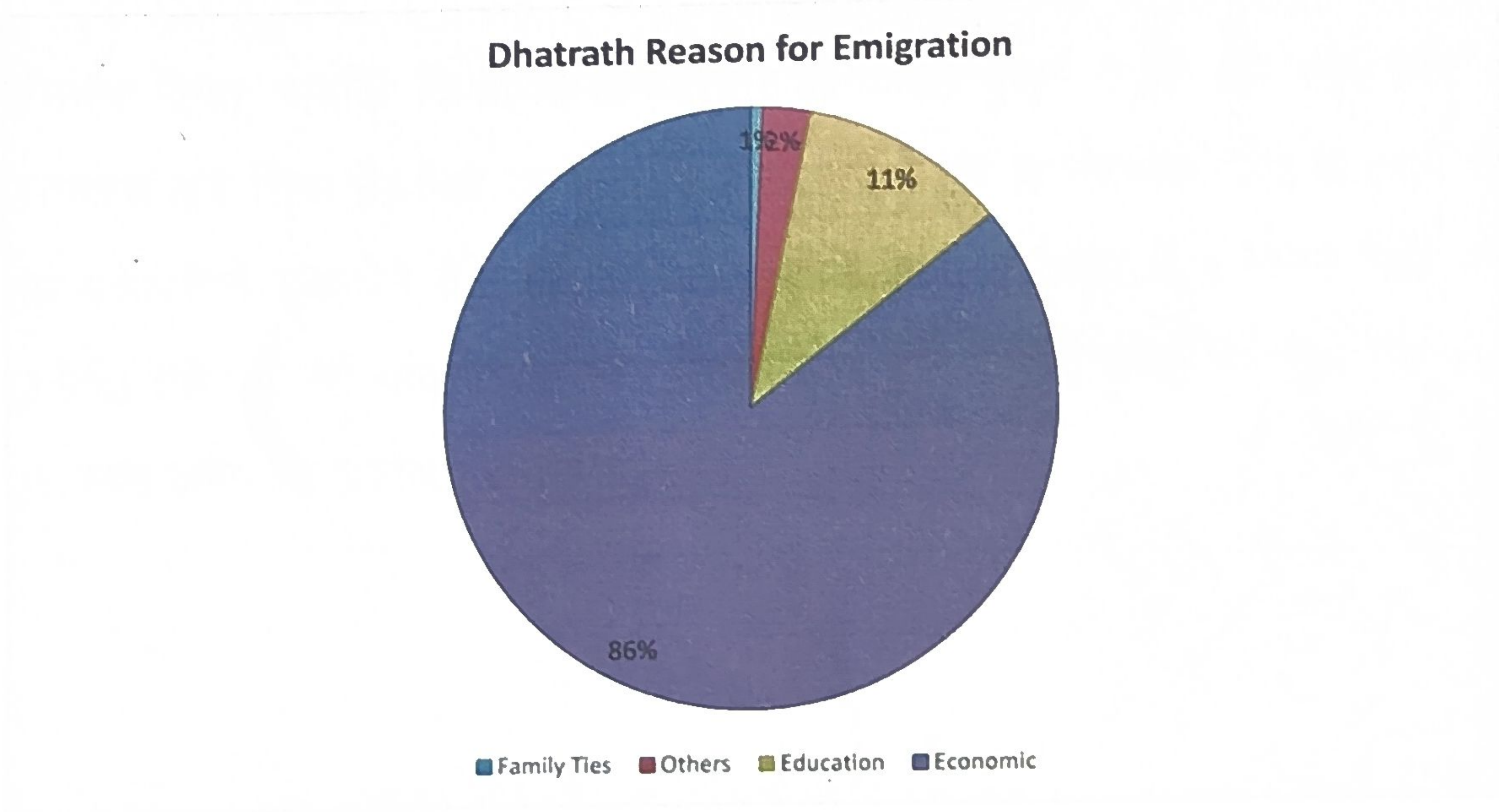
Dhatrath Reason for Emigration
11%
86%
Family Ties
Others
Education
Economic

चित्र. 15

उत्प्रवास का गांव पर सामाजिक प्रभाव :-

चित्र संख्या 13 यह दर्शाता है कि ढाटरथ गांव में उत्प्रवास डोंकी के माध्यम से 161 में से 110 (68%) व्यक्तियों ने चुना जो कि एक जोखिम भरा और गैर कानूनी है जिसमें युवा वर्ग 19 से 40 कि संख्या सर्वाधिक (98%) पाई गई। उत्प्रवास में युवा वर्ग जो कि पुरुष हैं जिनकि संख्या 148 (92%) हैं उनमें से ज्यादातर अविवाहित हैं जिसके परिणाम स्वरूप गांव के सामाजिक ताने-बाने पर बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ सकता है। जब गांव के लोगों से अनूसूची के द्वारा यह पूछा गया कि उत्प्रवास का जो निर्णय था उसमें परिवार का निर्णय क्या तटस्थ, समर्थन या असमर्थनशील था। इन प्रश्नों के नतीजे बहुत ही चौकाने वाले आए। केवल एक परिवार ने यह कहा कि उत्प्रवास में वे असमर्थनशील थे क्योंकि उत्प्रवास का कारण शादी था।

तीन परिवारों (1.9%) ने तटस्थ रूख अपनाया और 157 (97.5%) परिवारों ने उत्प्रवास का समर्थन किया, जबकि किसी-किसी परिवार से केवल बुजुर्ग दंपत्ति को छोड़कर सब ने उत्प्रवास कर लिया है। चित्र संख्या 16 यह दर्शाती है कि भावनात्मक रूप से 157 परिवार (97.5%)अपने इकलौते बेटे को विदेश में भेजने के लिए तैयार थे । केवल चार परिवार (2.5%) ऐसे पाए जो भावनात्मक रूप से तैयार ना होते हुए भी बच्चों कि जिद कि वजह से उत्प्रवास करने कि इजाजत दे दी गई।

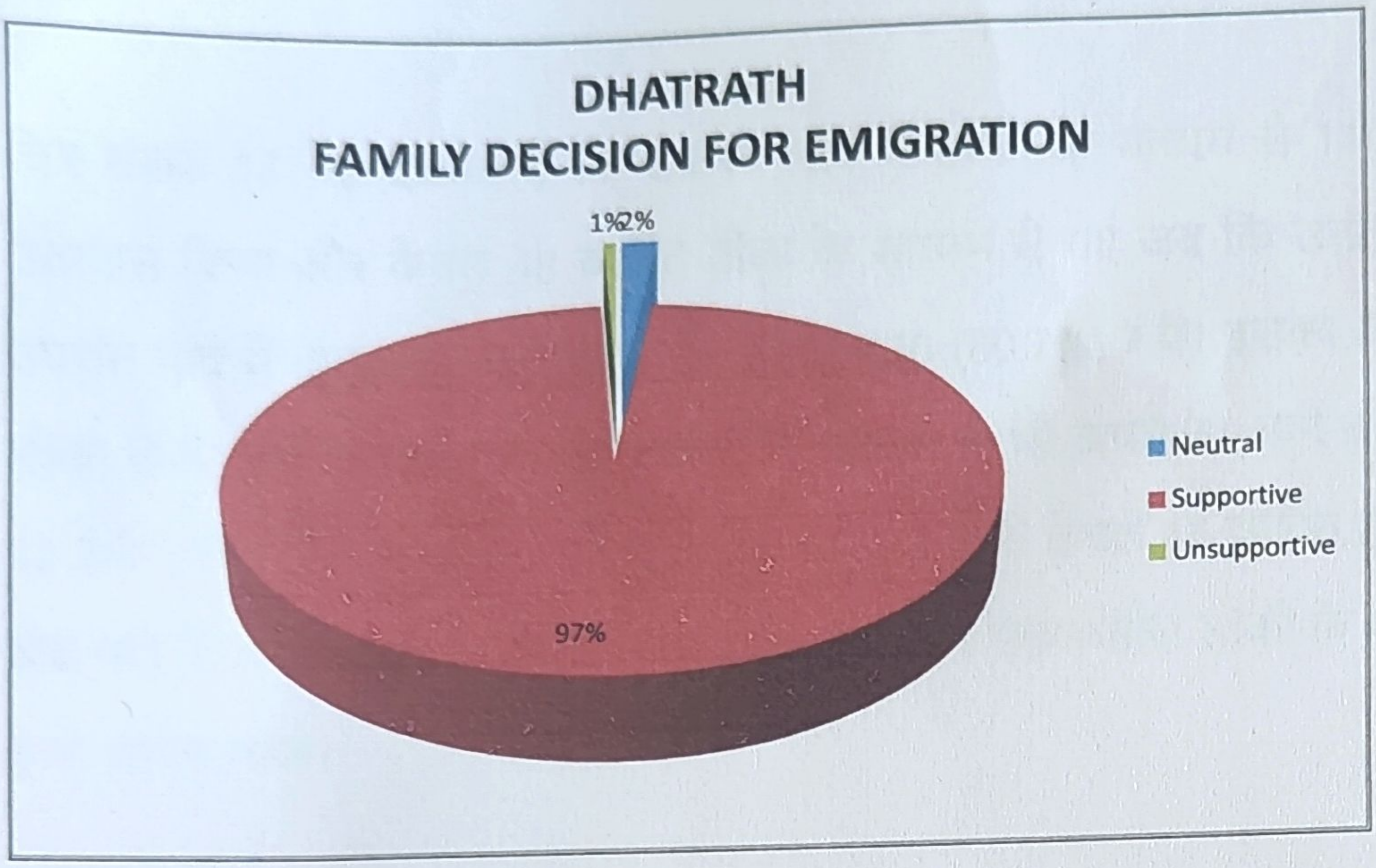
DHATRATH
FAMILY DECISION FOR EMIGRATION
1%
2%
97%
Neutral
Supportive
Unsupportive

चित्र. 16

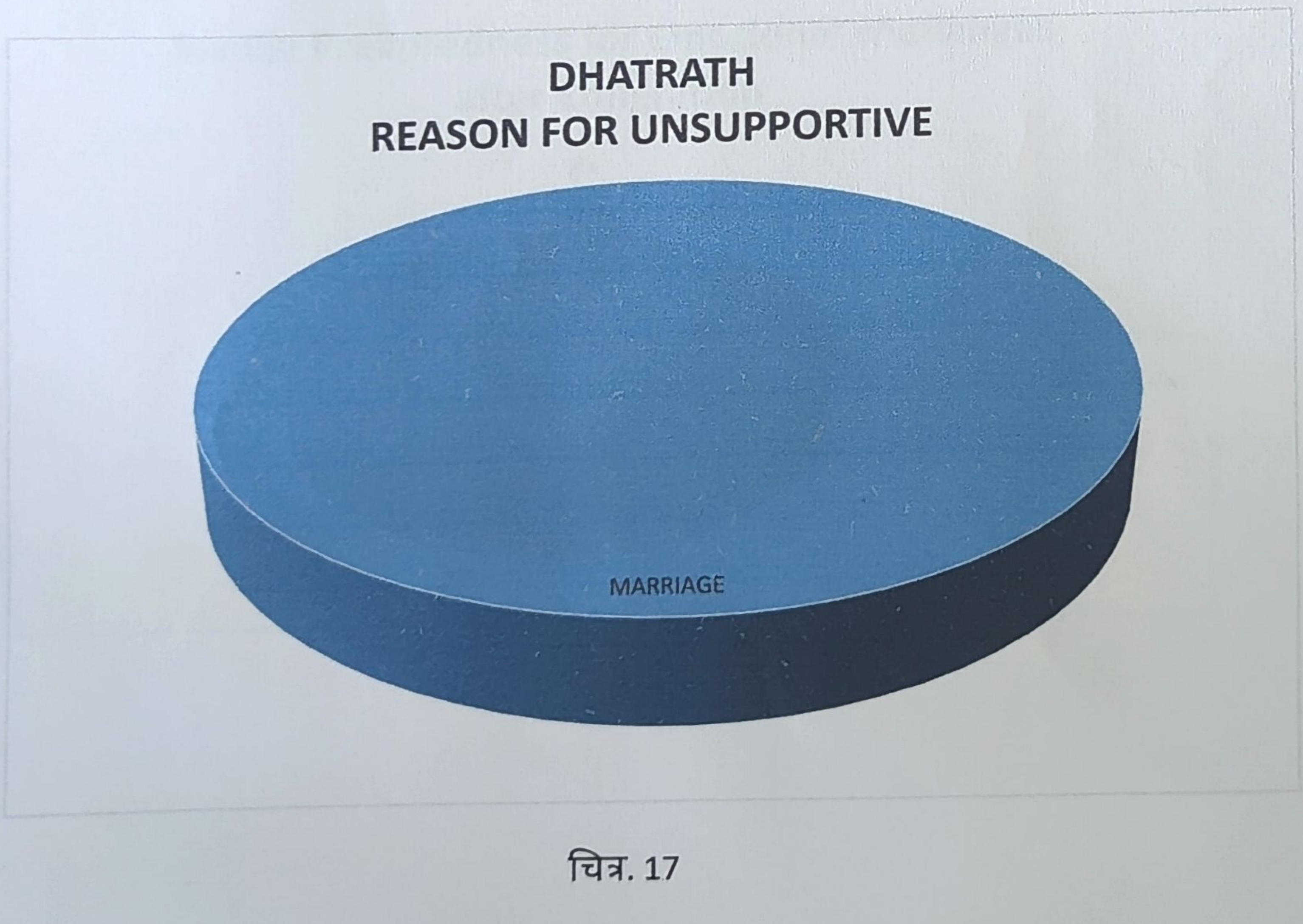
DHATRATH
REASON FOR UNSUPPORTIVE
MARRIAGE

चित्र. 17

चित्र संख्या 13 यह दर्शाता है कि ढाटरथ गांव में डोंकी के माध्यम से 110 व्यक्तियों ने उत्प्रवास किया और केवल 48 व्यक्ति वीजा के माध्यम से गए जब कि उत्प्रवास करने के उपरांत गांव में वापस ना आने वालों कि संख्या 130 (80.7%) रही। इसका अर्थ यह है कि डोंकी से तो कोई वापस नहीं आया। वीजा के माध्यम से भी वापस ना आने वालों कि संख्या 32 रही । वीजा के माध्यम से जाने वाले 48 व्यक्तियों में से केवल 16 व्यक्ति ही उत्प्रवास के बाद गांव में वापस आए ,3 व्यक्ति भ्रमण वीजा वाले और एक व्यक्ति डोंकी के माध्यम से गया हुआ वापस आया।

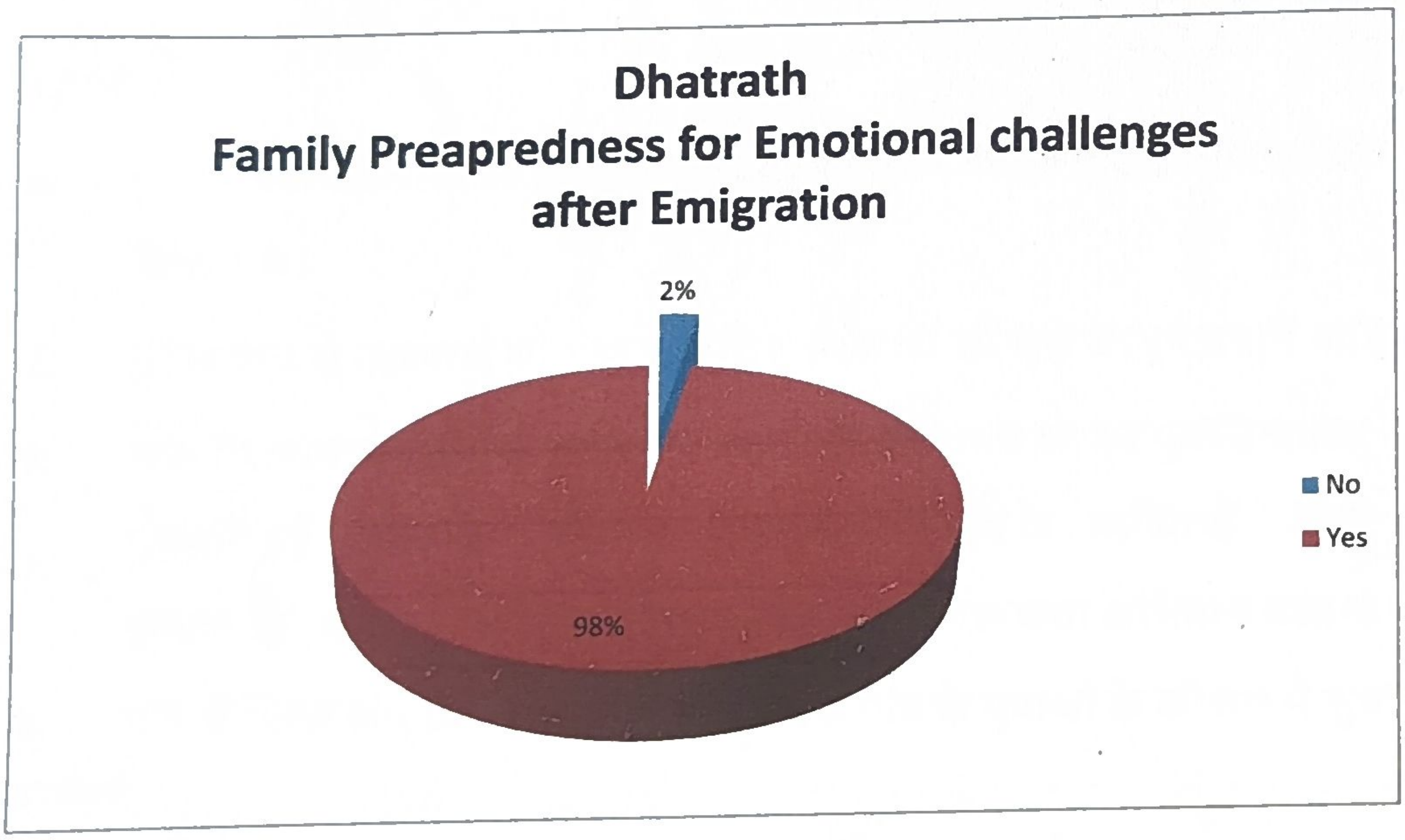

चित्र. 18

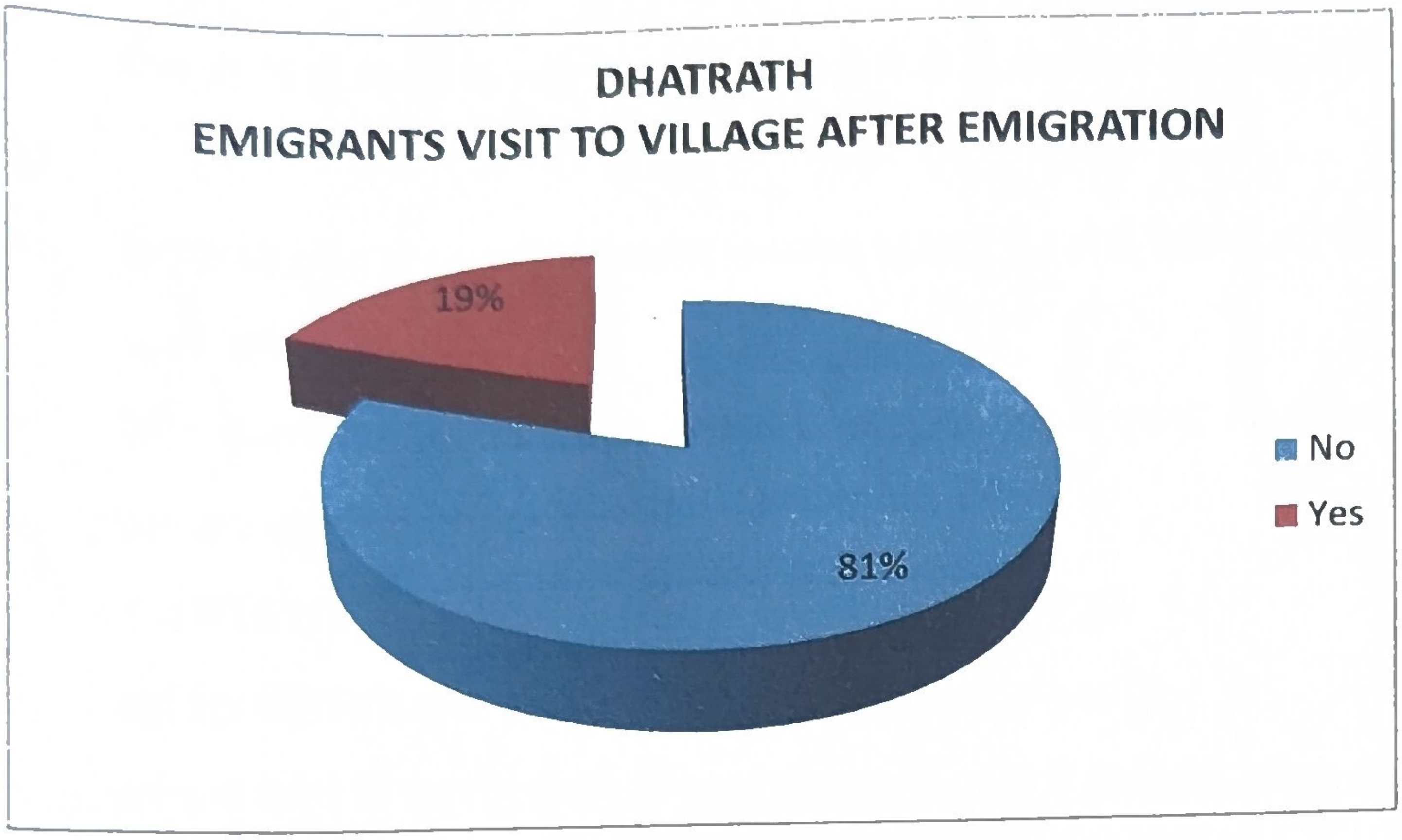

चित्र. 19

सुझाव :

1. गांव में स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि उत्प्रवास रूक सके।
2. डोंकि रूट से उत्प्रवास को रोकने के लिए सरकारों को कड़े कानून बनाने चाहिए।
3. गांव में उत्प्रवास अब एक चलन बन गया है इसलिए गांव का हर युवा उत्प्रवास के लिए अति उत्साहित है। उत्प्रवास के चलन को रोकने के लिए गांव के व्यक्तियों और प्रशासन को सामाजिक, आर्थिक ,कानूनन और भावनात्मक जागरूकता अभियान चलाना चाहिए।
4. गांव में शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने से गांव के युवाओं के कौशल में सुधार होगा।

निष्कर्ष :

* सर्वेक्षण करने के उपरांत हमारा निष्कर्ष निकला कि जींद के ढाटरथ गांव में जींद के दुसरे गांवों कि अपेक्षाकृत ज्यादा उत्प्रवास हुआ है।

* ऐसा प्रतीत हो रहा है कि गांव के कुल 1644 घरों में से औसतन हर दूसरे घर में से उत्प्रवास हुआ है।
* अनुमानतः गांव में 1000 के आसपास उत्प्रवास दिखाई दे रहा है लेकिन हमें केवल 140 घरों से 161 उत्प्रवास के व्यक्ति मिले।
* सर्वेक्षण करने के उपरांत हमारा निष्कर्ष निकला कि गांव में पुरुषों में महिलाओं कि अपेक्षा उत्प्रवास बहुत ज्यादा हुआ है।
* गांव में सिख समुदाय कि अपेक्षा हिंदू धर्म में ज्यादा उत्प्रवास हुआ है।
* आर्थिक गतिविधियों के अभाव के कारण गांव में उत्प्रवास हुआ है।
* सर्वेक्षण करने के उपरांत हमारा निष्कर्ष निकला कि गांव में वीजा कि अपेक्षा डोंकि के माध्यम से उत्प्रवास हुआ है।
* सर्वेक्षण करने के उपरांत हमारा निष्कर्ष निकला कि गांव में डोंकि के माध्यम से जो उत्प्रवास हुआ है उसमें 99% व्यक्ति गांव में वापस नहीं आए हैं।
* सर्वेक्षण करने के उपरांत हमारा निष्कर्ष निकला कि गांव से डोंकि के माध्यम से जो उत्प्रवास हुआ था उसमें केवल एक व्यक्ति अपनी मर्जी से गांव में वापस आया है।
* सर्वेक्षण करने के उपरांत हमारा निष्कर्ष निकला कि गांव से उत्प्रवास कि दिशा मुख्यतः संयुक्त राज्य अमेरिका (कैलिफोर्निया और न्यू यॉर्क राज्यों) कि ओर है ।
* सर्वेक्षण करने के उपरांत हमारा निष्कर्ष निकला कि युवा जनसंख्या (19 से 40 उम्र)मैं उत्प्रवास सबसे ज्यादा हुआ है।
* गांव में युवा जनसंख्या (19 से 40 उम्र) के उत्प्रवास के कारण बुजुर्गों कि संख्या बढ़ गई है।
* गांव में युवा जनसंख्या (19 से 40 उम्र) के उत्प्रवास के कारण एकल परिवारों में केवल माता-पिता अकेले जीवन यापन कर रहे हैं।

GOVERNMENT SENIOR SECONDARY SCHOOL
DHATRATH (JIND)
Not Me But You
NATIONAL SERVICE SCHEME
Special Camp
23.03.2025 TO 29.03.2025
Theme:- "Youth For My Bharat"
GOVT. SR. SEC. SCHOOL
DHATRATH, JIND
GSSS Dhatrath
NSS CAMP 2025

STEPS OF SUCCESS
YES I DID IT
I will do it
I can do it
I'll try to do it
Not Me But You
NATIONAL SERVICE SCHEME
GOVT. SR. SEC. SCHOOL
DHATRATH, JIND
LIBRARY RULES

GPS Map Camera
Hisar Division, Haryana, India
9CMX+G49, Dhatrath Village, Dhatrath, Haryana
Lat 29.383812°
Long 76.447847°
26/3/2025 02:31 PM GMT+05:00
Google